# A Classroom of Million Students

**Mohammad Imran Khan**

National Awardee Teacher • Jamnalal Bajaj Awardee • TEDx Speaker
Alwar, Rajasthan

# INTRODUCATION

Mohammad
**Imran Khan**
Mewati

National Awardee Teacher
Jamnalal Bajaj Awardee
TEDx Speaker
Google Certified Educator

+91 9785984283
imrankhanonnet@gmail.com
www.imranapps.com


“

Each student needs to learn and grow so that they can contribute towards development of society and humanity.
My fundamental belief is that ideas of a trained talent percolate the entire society and humanity, and don’t just benefit an individual.

# JOURNEY

## 1999

### Journey as a Teacher

Started teaching in a rural School of Sanskrit Education in Rajasthan.

### Introduction to Computer

Educational websites are being created to use in classroom and for assessment purpose.

## 2010

## 2011

### 50 School Websites

50 School websites are being created for the best Govt. schools of Alwar district under guidance of District Collector Alwar.

# JOURNEY

## First Android App

In 2012, started learning Java language and created first Android app named NCERT Learn Science.

## 2012

## 2015

## 50 Educational Apps

Continuous learning and App Development increased number to 50 apps with 35 lac users.

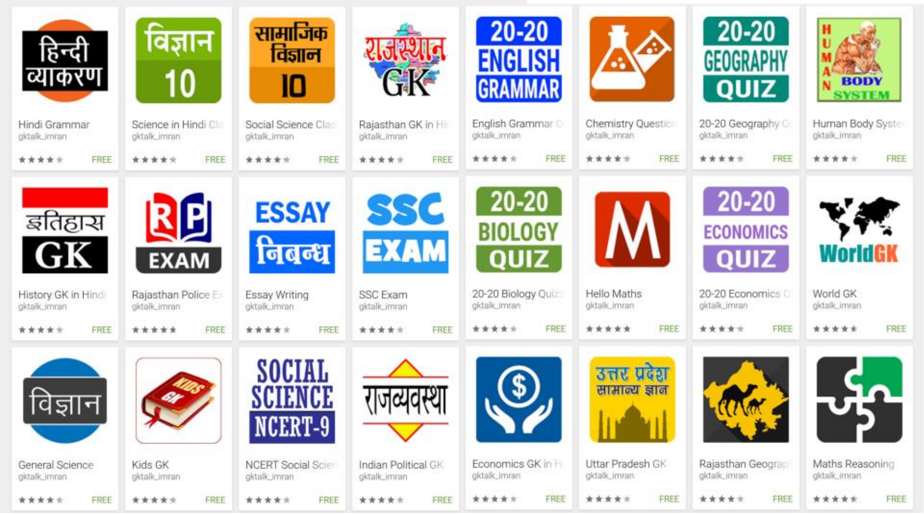

## Donation of Apps to Country

In National ICT conference at Vigyan Bhawan, 50 apps are being donated to MHRD.

# JOURNEY

## Appreciation by Prime Minister

In Wembley Stadium, London Prime Minister Narendra Modi mentioned about Imran Khan's app creation and donation to country.

2015

2016

## Easy Yoga app on International Yoga Day

To promote yoga using technology dedicated app is being created

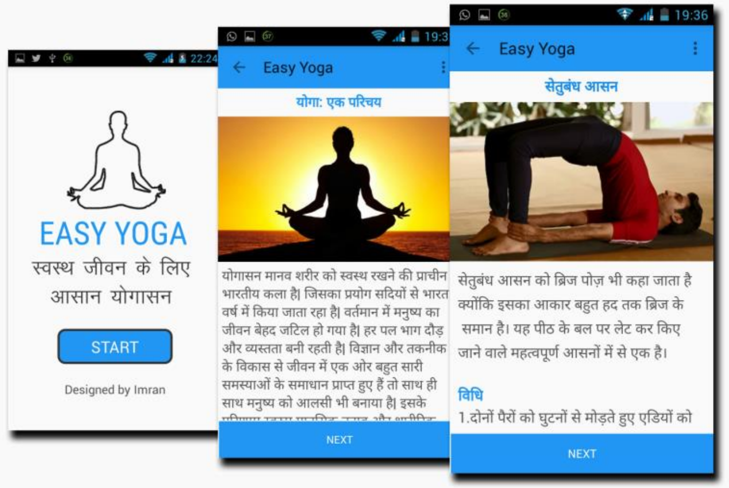

## Project Dishari

To support students in competitive examinations Project Dishari App been created for Government of Rajasthan

2017

# JOURNEY

## Yuva Shakti App

To strengthen youth of Alwar district Yuva Shakti app is being launched for District Administration, Alwar.

**2018**

**2019**

## Devvani App for Sanskrit

Dedicated app for Sanskrit language is being credited that helped a lot during corona pandemic.

## ICT trainings via NCERT & Google

Online webinars and trainings started with NCERT and Google for teachers

**2020-21**

# Educational Apps

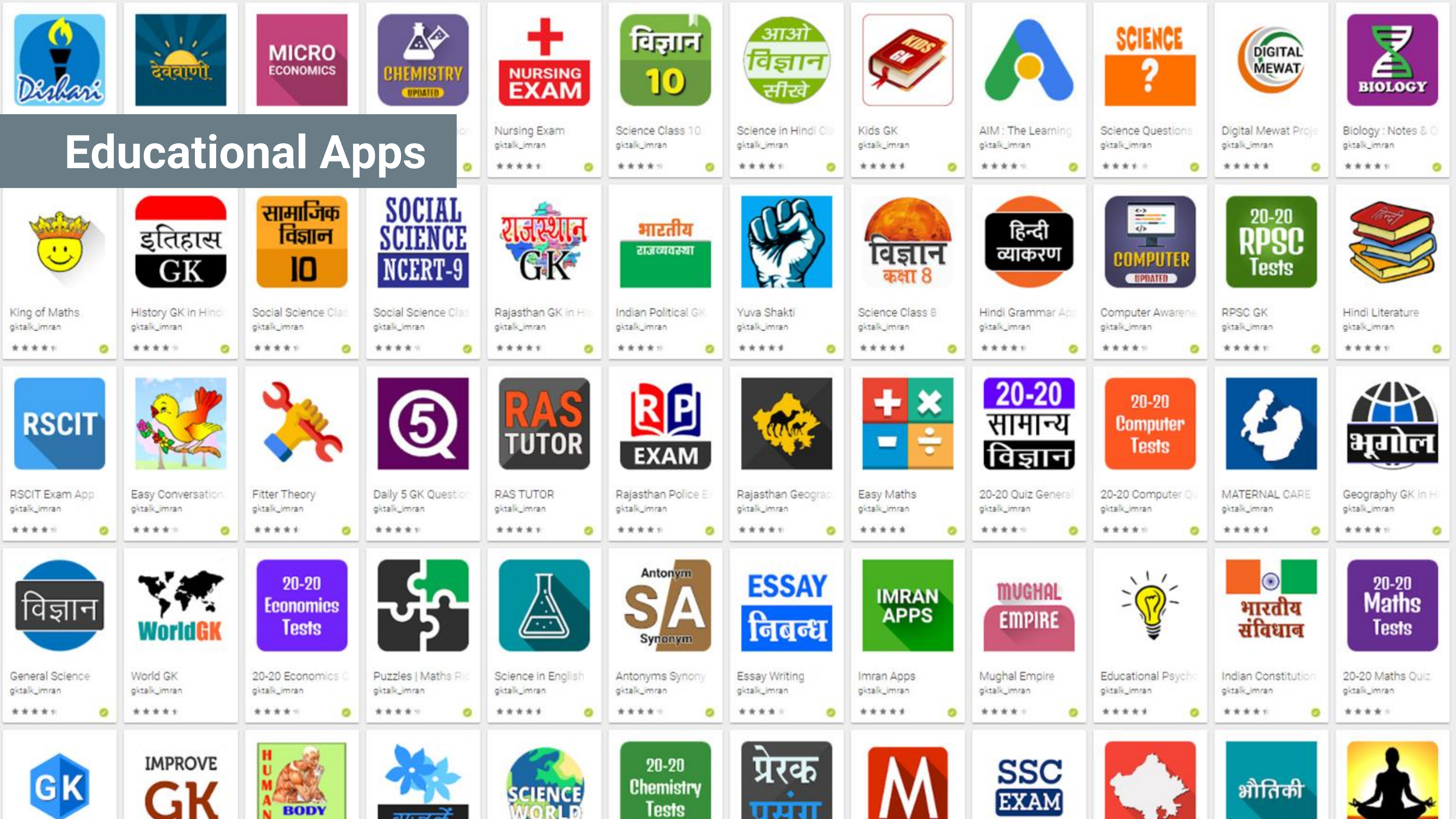

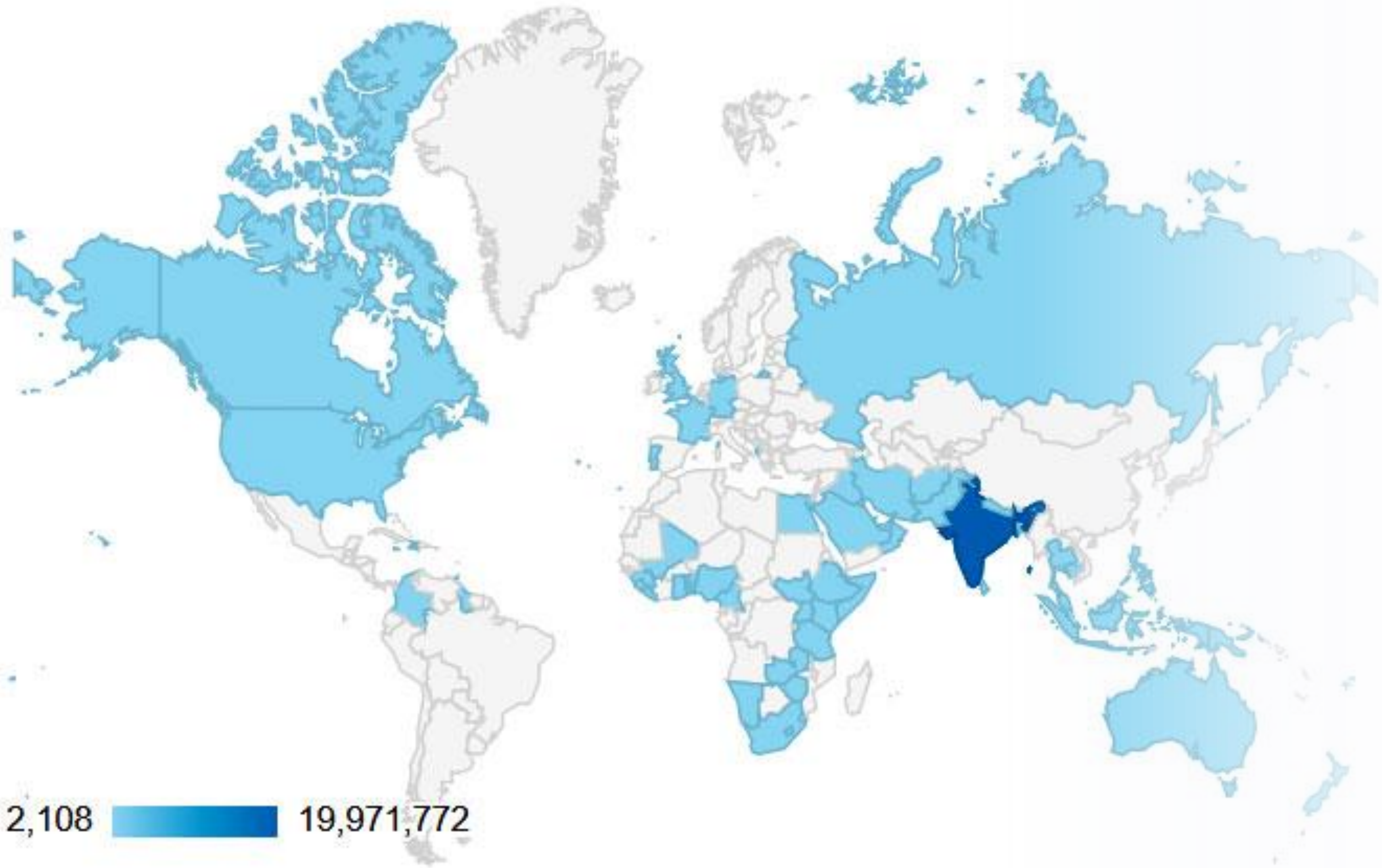


# STATISTICS

At present **100+ Educational Apps** are available on Play Store

**25 Million** users have been installed Imran's Apps

Apps are being used in **50+ countries**

**50 Billion** Screen Views received

**4.5 Average Rating** on Play Store

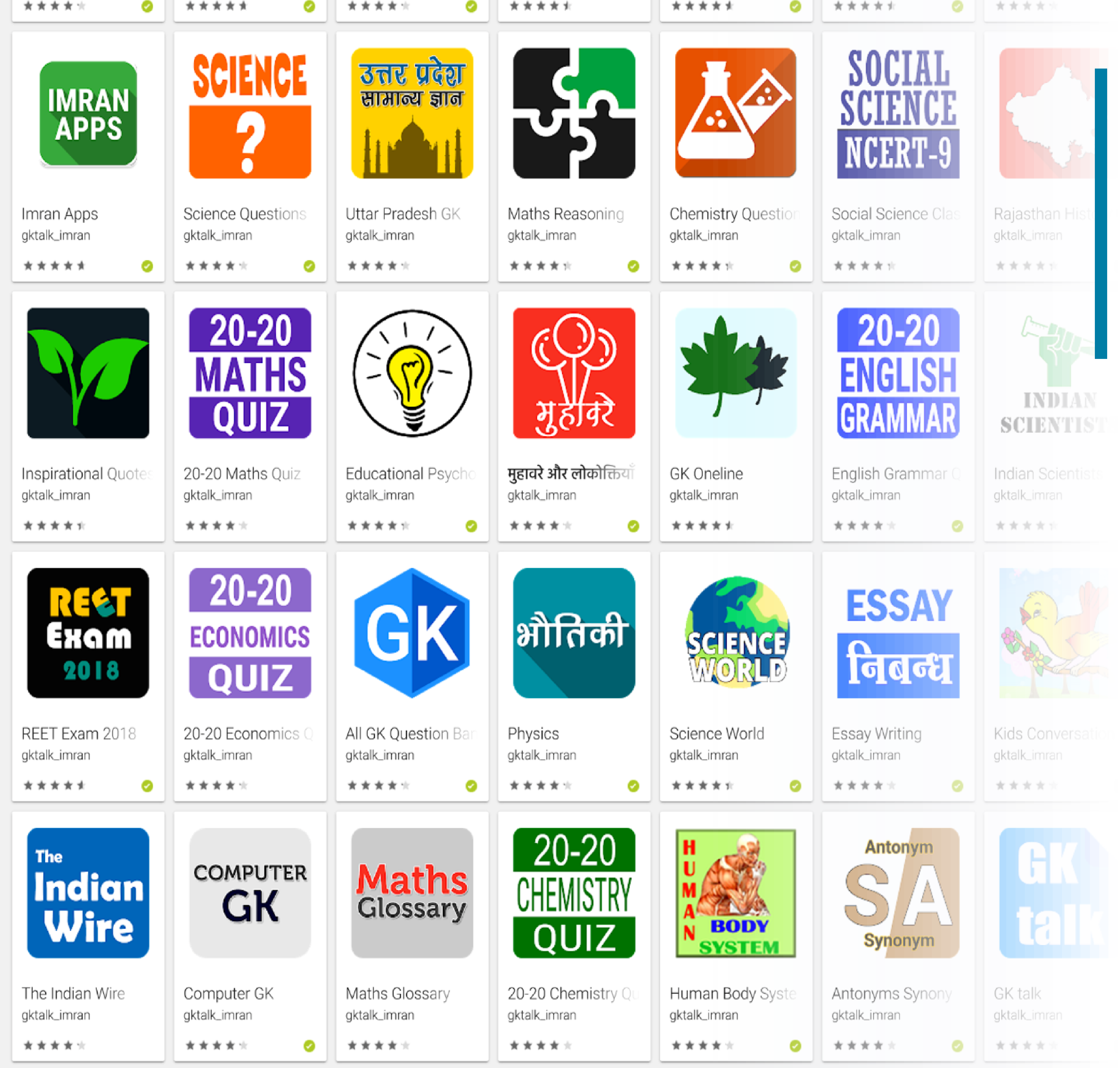


# FEATURES

All apps are **Free** and Support **Offline Compatibility**

Some apps has **Text to Speech(TTS)** facility

**Gamification of Learning** is being adopted in Primary Class Apps

**Native Apps** created with Java Language

Regular **New Content** added

**Minimum Permissions** required

## AWARDS

| | |
|---|---|
| **2019** | Jamnalal Bajaj Award |
| **2018** | State College Teacher Award |
| **2017** | National Award to Teachers |
| **2017** | Zee Business Makers of India Award |
| **2016** | National ICT Award |
| **2016** | State Level Teacher Award |
| **2016** | Dr. A. P. J. Abdul Kalam Award |
| **2016** | Bhamashah Award |
| **2016** | Rajeev Gandhi Global Excellence Award |

## WORKS

Creation of **100+ Educational Apps** with **21 Million Users**

**Bridging Digital Divide**

Use of **Technology for Inclusive Education**

**Social Awareness** using IT

**Online Teacher Training** for ICT during Corona Pandemic

# AWARDS

## 2019

## Jamnalal Bajaj Award

Awarded by Jamnalal Bajaj Award 2019 for Outstanding Contribution in Application of Science & Technology for Rural Development.

## 2017

## National Award to Teachers

Selected for National Award to Teachers 2017 by Govt of India for innovative activities in Education. Felicitated by Vice President of India in Vigyan Bhawan on Teachers Day 5 September 2018.

# AWARDS

2016

## National ICT Award

Awarded by National ICT Award 2016 for ICT activities in Education by President of India in Vigyan Bhawan on Teachers Day 5 September 2017.

2016

## Bhamashah Award

Nominated for state-level Bhamashah award for giving up the copyright to 60 of his mobile apps on education and gifted the same to MHRD.

# AWARDS

**2018** Social Hero Award

**2017** Zee Business Makers of India Award

**2016** State Level Teacher Award

**2016** CNBC Cisco Digitizing India Award

**2016** Dr. APJ Abdul Kalam Award

**2016** Rajeev Gandhi Global Excellence Award

**2016** India Mart EBF Award

**2016** National Gaurav Award

**2016** Teacher Gaurav Award

# TWEETS

**Digital India** @_DigitalIndia — Following

@imrankhanonnet, a teacher & app developer from Alwar is an inspiration for the youth of #India #YuvaShakti4NewIndia #DigitalIndia

3:46 AM - 1 Jun 2017

**PMO India** @PMOIndia — Following

There is a place Alwar in Rajasthan. There, someone called Imran made 50 Apps for mobile & that too focussed on education: PM

10:38 AM - 13 Nov 2015

712 Retweets 1,093 Likes

55 712 1.1K

**Ravi Shankar Prasad** @rsprasad — Following

Every citizen can become empowered by using technology. This is the essence of #DigitalIndia

1:36 AM - 29 Oct 2016

**Smriti Z Irani** @smritiirani — Following

Replying to @gauravcsawant

@gauravcsawant @smitaprakash Imran Bhai has done a stupendous job. Dedicated his educational apps to d Nation on d 7th of November in Delhi

10:42 AM - 13 Nov 2015

1,200 Retweets 1,104 Likes

90 1.2K 1.1K

**Narendra Modi** @narendramodi — Following

Met Shri Mohammad Imran Khan Mewati from Alwar. I appreciate him for developing educational e-content including videos, website and even Mobile Apps. His Apps cover a range of subjects at primary and secondary level as well as for competitive examinations. Congrats to him.

7:30 AM - 4 Sep 2018

1,617 Retweets 7,511 Likes

209 1.6K 7.5K

## NEWS

# पढ़ाई के साथ कम्प्यूटर में भी एक्सपर्ट हो रहे हैं विद्यार्थी

## एप निर्माता इमरान खान दे रहे प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

**अलवर**. पीएम नरेन्द्र मोदी की ओर से लंदन में की गई तारीफ के बाद चर्चा में आए इमरान खान सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ जुड़े हैं। इमरान राजकीय वरिष्ट उपाध्याय संस्कृत विद्यालय अलवर में गणित पढ़ाने के साथ विद्यार्थियों को कम्प्यूटर और आईटी से जोड़ने का जो काम कर रहे हैं।

इमरान के प्रयासों व भामाशाहों की मदद से इस स्कूल में कम्प्यूटर लैब तैयार करवाई है, जिसमें लगे कम्प्यूटर्स में उन्होंने कई प्रकार के शिक्षा से जुड़े सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखे हैं, जिनके उपयोग से विद्यार्थियों को सीखने व पढ़ने में मदद मिल रही है। स्कूल के विद्यार्थी कम्प्यूटर एक्सपर्ट हो रहे हैं।

यहां के पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर हार्डवेयर की खासी जानकारी है। इमरान ने विद्यालय के माहौल को आई.टी फ्रेंडली बना रखा है, विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा प्रोजेक्टर से दी जा रही है। कम्प्यूटर के माध्यम से ई-लर्निंग की भी व्यवस्था है।

राजकीय वरिष्ट उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में कम्प्यूटर का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी।

### बनाया जा रहा जीएसटी एप

एक जी.एस.टी. ट्रेनिंग एप बनाया जा रहा है, जिसकी सहायता से जी.एस.टी. से संबंधित जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इसी प्रकार आरपी एग्जाम एप की सहायता से राजस्थान पुलिस की प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। इमरान ने पत्रिका से बातचीत के दौरान बताया कि उनका लक्ष्य गरीब व सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को आईटी क्षेत्र में साक्षर बनाना है।

### एप बनाने में व्यस्त इमरान

एप गुरु के नाम से मशहूर इमरान फिलहाल अपने आगामी तीन एप्स पर काम कर रहे हैं, जो कि लगभग अंतिम चरण में है। एप्स में से एक का नाम वासुदेव देवनानी है। इस एप की मदद से राजस्थान के शिक्षा विभाग के समाचार प्राप्त कर सकेंगे, साथ ही सरकारी अध्यापकों का शिक्षा मंत्री से सीधा लिंक होगा। सरकारी अध्यापक अपनी बात सीधी शिक्षा मंत्री तक पहुंचा सकेंगे।

### इमरान के बनाए गए एप्स एक नजर

इमरान का प्लेस्टोर पर जी.के.टाल्क इमरान नाम से अकाउंट है, जहां पर इमरान के बनाए गए 70 एप्स हैं। इनमें अभी तक 85 लाख से ज्यादा लोग इंस्टाल कर चुके हैं, इन एप्स को प्रतिदिन 5-7 करोड़ स्क्रीन व्यूज मिलते हैं। सबसे ज्यादा इंस्टाल किया गया एप जनरल साइंस है जिसे 11 लाख बार इंस्टाल किया गया है। इमरान ने भारत सरकार व राजस्थान सरकार के लिए भी कई महत्वपूर्ण एप्स बनाए हैं जिसमें जी.एस.टी. ट्रेनिंग, ईजी योगा, राजस्थान ट्यूरिज्म तथा अलवर ट्यूरिज्म प्रमुख हैं। उनके प्रसिद्ध एप्स में एसएससी एग्जाम, इंडियन कॉन्सटीट्यूशन, कि इस जीके, इंडिया जीके, साइंस क्लास 10, हैलो मैथ्स, डेली जीके आदि हैं।

**अलवर के एप मेकर शिक्षक इमरान...**

# केवल किताबी नहीं अब बच्चों को मिले डिजिटल नॉलेज

*प मेकर अलवर निवासी शिक्षक इमरान खान का जिक्र लंदन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने संबोधन में किया था। पचास से ज्यादा शैक्षणिक बनाकर इन्हें निःशुल्क राष्ट्र को समर्पित करने वाले ान से **नरेंद्र सिंह** की बातचीत उन्हीं की जुबानी...*

मैं मानता हूं आज सूचना क्रांति का दौर है। ऐसे में क्षक की भूमिका भी व्यापक हुई है। अब शिक्षक की मका गुरु के साथ मार्गदर्शक के रूप में ज्यादा है। नीक ने इंटरनेट के जरिए ज्ञान को बहुत सुलभ बना ा है। निश्चित रुप से इसके अनुकूल और प्रतिकूल ाव दोनों है। यहां महत्वपूर्ण हो जाती है शिक्षक की मका। ऐसे हालात में शिक्षक को अपने आप को और अधिक व्यापक बनाना होगा उसे और अधिक ज्ञान से सुसज्जित होना होगा। शिक्षक का लक्ष्य स्वाध्याय से पहले ज्ञान अर्जित करना और फिर इसका उपयोग विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों की स्थापना में इस्तेमाल करना होना चाहिए। अभी समाज में व्याप्त असमानता बड़ी चुनौती है। इन्हें दूर करने के भरसक प्रयासों की जरूरत है। देखिये, मैं तो इस कोशिश में काफी समय से जुटा हुआ हूं, और तमाम चुनौतियां भी झेली है, लेकिन लक्ष्य बड़ा हो तो इन्हें तवज्जो नहीं दी। मैं बेहद साधारण परिवार से आता हूं, शिक्षक की भूमिका कितनी बड़ी है यह पहले यह उतनी गहराई से जान नहीं पाया था। पिताजी भी पढ़े-लिखे नहीं थे। घर का माहौल रोजी-रोटी जुटाने तक ही था। एसटीसी कर ली ताकि नौकरी लग जाए। सफल भी हुआ और राजकीय संस्कृत स्कूल में तृतीय श्रेणी शिक्षक पद पर नियुक्त हो गया। स्कूल में पढ़ाते समय मैंने पाया कि समाज में असमानताओं के कारण काफी बच्चे किताबी ज्ञान भी पूरी तरह नहीं ले पाते। मन में तूफान सा उठता कि ऐसा क्या हो, कि सबको सरल, समान और सहज ज्ञान पहुंचाया जा सके। पढ़ें केवल किताबी ...@पेज 04

> *शिक्षक दिवस पर मैं चाहता हूं कि हम बच्चों को नई दिशा दें। शिक्षक अपनी भूमिका में बदलाव लाएं। आज विश्व के सामने बहुत सी समस्याएं हैं, शिक्षक के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम बच्चों में श्रेष्ठ मानवीय गुणों को विकसित करें उन्हें दूसरों की सहायता करने वाला बनाएं न कि दूसरों को कष्ट पहुंचाने वाला।*

**ई-एजुकेशन** | साइंस-मैथ्स में आगे पढ़ने की हसरत अधूरी रही तो बच्चों व युवाओं की मदद में जुटे इमरान खान

# शिक्षक ने बनाए 42 एजुकेशनल एप

मनोज गुप्ता | अलवर

बचपन से ही साइंस-मैथ्स की पढ़ाई का जुनून था, लेकिन घर-परिवार की स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि आगे पढ़कर अपनी इच्छाओं को पूरा कर सके। 12वीं के बाद आईआईटी करके वैज्ञानिक बनने की चाह थी, लेकिन इसी उम्र में शादी हो जाने के बाद घर-परिवार की चिंता ने सब कुछ भुला दिया। आज इसी हसरत को पूरा करने में इमरान दिन-रात लगा रहता है और अब तक 42 एजुकेशनल एप के जरिए देश और दुनियाभर के विद्यार्थियों को पढ़ाई का प्लेटफार्म मुहैया करा रहा है। शेष | पेज 12

इमरान खान

### 7 एप जो पसंद आ रहे सबको

- जनरल साइंस इन हिंदी
- हिस्ट्री जीके इन हिंदी
- एसएससी एग्जाम
- आरएएस ट्यूटर
- डेली जनरल नॉलेज
- इंडियन एंड पॉलिटिकल जीके
- एनसीईआरटी लर्न साइंस

### जीके टॉक ने बदली दिनचर्या

इमरान 1999 में सरकारी सेवा में आए। पहली पोस्टिंग कोटा में मिली। करीब 4 साल वहां रहने के बाद तबादला अलवर के जाटों का बास स्थित खारेड़ा स्कूल में हुआ। बकौल इमरान शुरू से ही मैथ्स का शौक था, लेकिन हायर एजुकेशन नहीं मिलने का मलाल रहता था। सबसे पहले मैंने अपनी वेबसाइट जीके टॉक बनाई। इस वेबसाइट को तत्कालीन जिला कलेक्टर आशुतोष एटी पेंडणेकर ने देखा और मुझे बुलवाया। मैं डरा हुआ था कि मेरी किसी शिकायत पर उन्होंने मुझे बुलाया है। शेष | पेज 12

### अगला एप रखेगा आपको अपडेट

फिलहाल इमरान एक ऐसे एप पर काम कर रहे हैं, जिसके जरिए प्रदेश एवं देश में शिक्षा से जुड़े तमाम समाचार, तबादला आदेश, नवाचार, सर्कुलर एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां उन वेबसाइट्स पर अपलोड होते ही यूजर को अपडेट कर देंगी।

# Alwar's Imran Khan nominated for Bhamashah award

## PM Had Praised His Efforts To Gift Nation Mobile Apps On Education

Times News Network

**Jaipur: Imran Khan** of Alwar who gave up the copyright to 60 of his mobile apps on education and gifted the same to HRD ministry was nominated for state-level Bhamashah award on Tuesday.

Khan shot to fame after Prime Minister Narendra Modi mentioned his name while addressing Indian diaspora at Wembley Stadium in the UK in 2015. Modi in his speech had said, "My India resides in Imran of Alwar," while recognizing his contribution for enhancing learning outcome among school students.

Bhamashah award is given to those individuals who have made donations in cash and land for upliftment of the society.

> **The total estimated value of his apps are Rs 3.32 crores. So far, 45 lakh users have downloaded his apps and 6 crore people have read his page. Khan is a math teacher in a government sanskrit school in Alwar**

Khan is among very few individuals from the state who have been chosen for donating 60 mobile apps. The award ceremony is scheduled for June 28.

"I am happy to have been nominated for this award. This will encourage me to work with more confidence and belief," said an elated Imran Khan.

The total estimated value of his apps are Rs 3.32 crores. So far, 45 lakh users have downloaded his apps and 6 crore people have read his page.

Imran Khan is a math teacher in a government Sanskrit school in Alwar. He made these apps while he was learning the basics of programing and website development from his brother who is an engineer. The math teacher made his first app in 2012 even before he had a smartphone. He donated his apps during an IT meet by HRD ministry in November 2015.

The BSNL has awarded Khan with lifelong free broadband internet service.

Bhamashah awards were started by former vice-president of India, Bhairon Singh Shekhawat, to recognize those individuals who have contributed in the progess of the state.

# NEWS

# 52 एप देश को किए समर्पित

## दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ कार्यक्रम, कलेक्टर के नेतृत्व में पहुंची टीम

**भास्कर संवाददाता | अलवर**

अलवर. सम्मेलन में कलेक्टर मुक्तानंद अग्रवाल के साथ मौजूद टीम।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिल्ली के विज्ञान भवन में शनिवार को स्कूलों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय सम्मेलन में अलवर से प्रोजेक्ट एकता की टीम ने जिला कलेक्टर मुक्तानंद अग्रवाल के नेतृत्व में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में सभी राज्यों के शिक्षामंत्री व आईसीटी से जुड़े शिक्षक शामिल थे। सम्मेलन में अलवर प्रोजेक्ट एकता ने उपलब्धियों का वर्णन किया और राजकीय संस्कृत स्कूल के शिक्षक इमरान खान द्वारा बनाए गए 52 एजुकेशनल एप को देश को समर्पित किया गया। मानव संसाधन मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने अपने उद्बोधन में प्रोजेक्ट एकता की प्रशंसा की और टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि वे इस प्रोजेक्ट की उपलब्धियों को देश के समक्ष उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना चाहती हैं। उन्होंने शिक्षक इमरान खान द्वारा बनाए गए एप को देश के लिए समर्पित करते हुए कहा कि ये एप बच्चों के भविष्य को संवारने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने सभागार में इमरान को खड़ा कर सभी से रूबरू कराया और बधाई दी। इस दौरान प्रोजेक्ट एकता की शुरूआत करने वाले तत्कालीन जिला कलेक्टर आशुतोष एटी पेंडणेकर भी मौजूद रहे। इस टीम में अलवर के तिलकराज पंकज, अशोक आहूजा, राजेश लवानिया, दिनेश शर्मा भी शामिल थे।

# राजस्थान के इमरान जैसे लोगों में बसता है असली भारत : मोदी

## इमरान ने मुफ्त दिए हैं 50 एजुकेशनल एप

लंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लंदन शो। 60 हजार लोगों के बीच 80 मिनट का भाषण। कई पुरानी बातों को नए ढंग से बताया, वहीं, कुछ का जिक्र पहली बार किया। गरीबी से शुरू हुआ भाषण भारत के विश्व गुरु बनने के सपने पर खत्म हुआ। मीडिया की सुर्खियां बनने वाले असहिष्णुता को ये कहते हुए खारिज किया कि हिंदुस्तान वही नहीं है, जो टीवी-अखबारों में बताया जाता है। उदाहरण के तौर पर अलवर के इमरान का जिक्र किया। कहा- असली भारत इमरान जैसे लोगों में ही बसता है। मोदी ने कबीर-रहीम को प्रेरणा बताया। सूफी परंपरा का भी हवाला दिया। मकसद ये बताना था कि भारत धर्मनिरपेक्ष था, है और हमेशा रहेगा। रोचक अंदाज में ब्रिटेन और भारत की तुलना भी की। हाथ में बंधी घड़ी दिखाते हुए कहा-इंग्लैंड की घड़ी जो समय बताती है, उसे एकदम उल्टा कर दो तो भारतीय समय दिखने लगता है। ब्रिटिश संसद के बाहर गांधी की प्रतिमा को भारतीयों के लिए गर्व बताते हुए कहा कि भारत दुनिया से मेहरबानी नहीं, बराबरी चाहता है।

## लंदन की घड़ी को उल्टा कर दें तो भारत का वक्त शुरू हो जाता है

मोदी ने ऐसे समझाया- लंदन में पौने सात तो भारत में सवा बारह बजे

लंदन का समय | भारत का समय

हम 102 सूर्यपुत्र राष्ट्रों का संगठन बना रहे हैं। ये देश सोलर एनर्जी पर शोध करेंगे। -नरेंद्र मोदी

80 मिनट के भाषण के बाद स्टेडियम में शानदार आतिशबाजी हुई। मोदी रविवार को तुर्की जाएंगे।

## 60 हजार लोगों के सामने 4 घंटे तक चला स्वागत कार्यक्रम

800 कलाकारों ने प्रस्तुति दी. 2000 वॉलेंटियर भी लगाए गए. 112 दिनों से इसकी तैयारी चल रही थी। उद्योगपति नत पुरी की संस्था 'यूरोप-इंडिया फोरम' ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। 300 से ज्यादा संगठनों ने मदद की।

- योग, भरतनाट्यम, ओडिशी, कुचीपुडी, भांगड़ा, गरबा समेत कई तरह की डांस प्रस्तुतियां हुईं। श्यामक डावर, अलीशा चिनाई समेत कई कलाकारों ने परफॉर्म किया।
- लेस्टर, मेनचेस्टर, बर्मिंघम जैसे दूरदराज के शहरों से लोगों को स्टेडियम तक लाने के लिए 'मोदी एक्सप्रेस' नाम की बसें चलाई गईं।

## एक दिन भारतीय मूल का होगा ब्रिटिश पीएम

इस बार सबसे ज्यादा 10 भारतवंशी इंग्लैंड की संसद में आए हैं। एक दिन आएगा जब कोई भारतवंशी ब्रिटेन का प्रधानमंत्री भी बनेगा। -डेविड कैमरन, ब्रिटिश पीएम

NEWS

# PM's praise strengthens Imran's cause for education

KAVITA UPADHYAY

**JAIPUR:** "You might not have read or heard [about him]. [But] in Rajasthan's Alwar, there's a man named Imran Khan... [who] has developed [over] 50 mobile apps for students and has made them available for free," Prime Minister Narendra Modi said while addressing a massive gathering at London's Wembley Stadium, on Friday night.

Imran Khan, a 37-year-old Sanskrit teacher dedicated to the cause of education and with no formal education in Information Technology (IT), has, in the past three years developed 52 Android apps in Hindi on topics varying from General Knowledge to Science to one on Rajasthan Administrative Services. Clicking on 'Play Store' in the Android phone and searching for 'gktalk' fetches a series of educational apps designed to assist students on varying topics. However, unlike other apps, these are in Hindi, are neatly designed and are free.

A teacher at Alwar's Varishth Upadhyay Sanskrit school, Mr. Khan is also a member of Alwar-based team EKTA which works towards strengthening elementary education.

**First portal**

He designed his first website in 2009 and gives credit to the internet for most of what he learned about website designing and creating apps.

Imran Khan has developed 50 apps for students. — PHOTO: ROHIT JAIN PARAS

"I also took some help from my younger brother's engineering books," Mr. Khan told *The Hindu*.

Later, appreciating the websites he had designed, the then Alwar District Collector Ashutosh A.T. Pednekar asked him to develop apps for mobile phones. Mr. Khan, who learnt to develop apps from online tutorials, started in the year 2012 with an app called 'NCERT Learn Science', which he designed for class 9 students. Three years later he has 52 Android apps and is working on developing more apps.

Of all the apps, the one called 'General Science in Hindi' has been downloaded by over 7 lakh users. "The app on General Science has been downloaded the most. In total the 52 apps have been downloaded by 30 lakh users," Mr. Khan claimed.

Thanking Mr. Modi for appreciating his efforts, Mr. Khan, on Saturday, said, "If Digital India is to be executed in the field of education then rural areas need to have access to internet, and computers and smart phones."

"We also need to have good content in Hindi, which, unfortunately, isn't available today," he said.

**Minister promises help**

Further appreciating his efforts, BSNL, on directions of Telecom Minister Ravi Shankar Prasad, shall now be providing free Internet to Mr. Khan.

Speaking to *The Hindu*, Mr Prasad said, "I spoke to Imran on phone and congratulated him....By sheer hard work he has created many apps which are being used by more than 30 lakh students."

# देशभर के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच नवाचार के बारे में बताएंगे इमरान

## लाल बहादुर शास्त्री अकादमी ने दिया न्यौता, 24 से 26 तक होगी सेमिनार

भास्कर संवाददाता | अलवर

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने के लिए प्रसिद्ध हुए एप गुरु इमरान खान

अब देशभर के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अपने नवाचारों को बताएंगे। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी ने इमरान को इसके लिए न्यौता भेजा है। आईएएस 2018 बैच के ट्रेनियों को इमरान 24 से 26 अप्रैल तक मसूरी में संबोधित करेंगे। एकेडमी में प्रत्येक वर्ष अप्रैल-मई के महीने में नवाचारों को लेकर सेमिनार आयोजित होती है। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में घटित हो रहे नवाचारों का लाभ बड़ी आबादी को देना होता है। इस वर्ष नवाचार सेमिनार में दो महत्वपूर्ण बिंदु रखे गए हैं। पहला ग्रास रूट नवाचार और दूसरा उच्च तकनीकी नवाचार। इस सेमिनार में पांच फोकस एरिया रहेंगे। इनमें शिक्षा व सीखना, हैल्थ व न्यूट्रीशियन, एग्रीकल्चर, वाटर सेनिटेशन और ऊर्जा, सर्विस डिलेवरी एंड गवर्नेंस रहेंगे। एकेडमी के डिप्टी डायरेक्टर विद्या भूषण ने इमरान को भेजे निमंत्रण में कहा है कि इमरान ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। उनके द्वारा किए गए नवाचारों से बड़ी संख्या में देश के बड़े लोग लाभान्वित हुए हैं और इन नवाचारों के जरिए वे अपने जीवन को गुणवत्तापूर्ण बना सकते हैं। इसलिए आप अपने द्वारा किए गए नवाचारों को 2018 बैच के आईएएस ट्रेनी के बीच रखें और उनसे रूबरू हों।

# प्रदेश में पहली बार 'अर्थदान' नहीं, 'एपदान' करने वाले इमरान को भामाशाह सम्मान

## प्रधानमंत्री ने लंदन में किया था जिक्र

**हीरेन जोशी . जयपुर @ पत्रिका**

rajasthanpatrika.com

राज्य के भामाशाह पुरस्कारों के इतिहास में इस बार अनोखी पहल हो रही है। इस साल भामाशाह पुरस्कार लाखों रुपए दान करने वाले किसी को नहीं बल्कि ऐसे शख्स को दिया जा रहा है जिसने देश को 60 शिक्षण एप दिए। शिक्षा विभाग ने राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय अलवर के शिक्षक मोहम्मद इमरान खान को भामाशाह पुरस्कार के लिए

चुना है, उन्हें 28 जून को राजधानी में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इमरान के इन एप का न्यूनतम मूल्य 3.32 करोड़ रुपए आंका गया है। एप के चलते इमरान का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लंदन में भाषण के दौरान भी किया था।

पढ़ें प्रदेश @ पेज 7

**45** लाख लोगों ने इंस्टॉल किए ये 60 एप

**06** करोड़ लोग पेज देखते हैं हर दिन

**15** हजार यूजर्स नए जुड़ते हैं रोज

**4.5** की रेटिंग मिली है इन एप को 5 में से

### ऐसे हैं इमरान के बनाए एप

**जनरल साइंस इन हिंदी**
इसमें विज्ञान के दैनिक जीवन के प्रश्न और उत्तर, चित्र दिए हैं। **यूजर्स** : 8 लाख

**एसएससी एग्जाम**
सिलेबस आधारित डाटा। **यूजर्स** : 3.5 लाख

**किड्स जीके**
छोटे बच्चों के लिए खेल विधि से सामान्य ज्ञान शिक्षण। **यूजर्स** : 2.5 लाख

**इंडीयन कॉन्स्टीट्यूशन**
संविधान से जुड़े प्रश्नोत्तर और नोट्स
**यूजर्स** : 2 लाख से ज्यादा

**हिस्ट्री जीके** : इतिहास का यह प्रश्न बैंक प्रतियोगी परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी।

# अलवर के इमरान नाइलिट की तकनीकी सलाहकार समिति में

## केन्द्रीय मंत्री पी.पी. चौधरी ने योग्यता देखते हुए किया शामिल

पाली. अपनी प्रतिभा के बूते विदेशी

धरती पर प्रधानमंत्री की तारीफ पा चुके कम्प्यूटर प्रोग्रामर और वेब डवलपर अलवर के इमरान खान अब नई

### 52 एप उपलब्ध करवा चुके, मोदी ने की थी प्रशंसा

खान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को 52 शैक्षणिक एप निःशुल्क उपलब्ध कराए हैं। इन एप से 50 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। पेशे से संस्कृत अध्यापक इमरान खान की प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष लंदन में वेम्बले स्टेडियम में दिए गए संबोधन में यह कहते हुए कर चुके हैं कि 'मेरा भारत अलवर के उस इमरान खान में बसता है।'

शामिल किया है।

चौधरी ने बताया कि मानव संसाधन

समिति में अलवर के खान को सदस्य के रूप में शामिल किया गया


# देशभर के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच नवाचार के बारे में बताएंगे इमरान

## लाल बहादुर शास्त्री अकादमी ने दिया न्यौता, 24 से 26 तक होगी सेमिनार

भास्कर संवाददाता | अलवर

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने के लिए प्रसिद्ध हुए एप गुरु इमरान खान

अब देशभर के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच अपने नवाचारों को बताएंगे। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी ने इमरान को इसके लिए न्यौता भेजा है। आईएएस 2018 बैच के ट्रेनियों को इमरान 24 से 26 अप्रैल तक मसूरी में संबोधित करेंगे। एकेडमी में प्रत्येक वर्ष अप्रैल-मई के महीने में नवाचारों को लेकर सेमिनार आयोजित होती है। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में घटित हो रहे नवाचारों का लाभ बड़ी आबादी को देना होता है। इस वर्ष नवाचार सेमिनार में दो महत्वपूर्ण बिंदु रखे गए हैं। पहला ग्रास रूट नवाचार और दूसरा उच्च तकनीकी नवाचार। इस सेमिनार में पांच फोकस एरिया रहेंगे। इनमें शिक्षा व सीखना, हैल्थ व न्यूट्रीशियन, एग्रीकल्चर, वाटर सेनिटेशन और ऊर्जा, सर्विस डिलेवरी एंड गवर्नेंस रहेंगे। एकेडमी के डिप्टी डायरेक्टर विद्या भूषण ने इमरान को भेजे निमंत्रण में कहा है कि इमरान ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। उनके द्वारा किए गए नवाचारों से बड़ी संख्या में देश के बड़े लोग लाभान्वित हुए हैं और इन नवाचारों के जरिए वे अपने जीवन को गुणवत्तापूर्ण बना सकते हैं। इसलिए आप अपने द्वारा किए गए नवाचारों को 2018 बैच के आईएएस ट्रेनी के बीच रखें और उनसे रूबरू हों।

# NEWS

# 'App Teacher' Khan to get nat'l award in Delhi today

TOI

shoebkhan@timesgroup.com

Prime Minister Narendra Modi with Imran Khan during a meeting with awardee teachers at the former's residence in New Delhi, on Tuesday

**Jaipur:** Imran Khan, a government teacher from Alwar, who shot to fame after Prime Minister Narendra Modi mentioned him in his speech at Wembley, UK, in November 2015, has been nominated for national award to be given on the Teachers' Day in Delhi on September 5. Khan, a Maths teacher at the Rajkiya Sanskrit School in Alwar, has gifted 80 mobile applications related to education, to the government of India, since 2012. He is known as the 'App Teacher' in his circle.

His apps were downloaded by 15 million users across the country. His most popular app, 'General Science', has been downloaded by 12 lakh users. Modi called him 'Adarsh Shikshak' during a meeting with awardee teachers at his residence in New Delhi, on Tuesday.

"The Prime Minister was happy with my work and told me to continue serving the nation," said Khan, who holds a Master's degree in English and Economics. He learnt making apps by reading computer science books of his younger brother while he was doing his engineering. State government gave him the 'Bhamashah' award for donating apps. Bhamashah award is given to those individuals who help the education department or the schools, financially. Khan was given this prize as the state has estimated the market value of his apps to be around Rs 3.32 crore.

Soon after finding mention in Modi's speech, his life changed and he began getting appreciation and acknowledgement from all quarters. His proficiency in app-making may not be on par with that of a thorough professional, but the government chose to award him for making and gifting some very important apps. State higher education department assigned him the task of making 'Dishari' app, which is meant for students who are appearing for competitive exams. He has also made an app for state education minister, Vasudev Devnani.

He spends hours after school on creating, uploading content and managing these apps. He has not charged a single penny from the government. "The immense respect that I have earned due to my work cannot be earned by any amount of money. I will continue to work in the interest of the nation. My aim is to make education inclusive and accessible to all, through the intervention of technology," said Khan.

Khan is a grade-III teacher of school education department, on deputation with state higher education department. His biggest support system is his 17-year-old daughter Samiya Khan, who helps her father in creating the apps. "She is my biggest support system and sometimes works for the whole night on apps with me. She, along with some volunteers, help me in sustaining the apps which are entirely managed by me," said Khan.

The fame achieved by him in 2015 has shot up the enrolment in his school. Since he has become a visible face, he used this opportunity to reach out to families, convincing them to send their drop-out children to school. "The enrolment of my school has jumped from 115 in 2015-16 to 312 in 2018-19," said Khan.

# शिक्षक ही देश को फिर सोने की चिड़िया बना सकते : खान

**80 से अधिक एप बनाकर देश को दे चुके डेढ़ करोड फॉलोअर्स**

दोस्त अली

**बाडमेर।** सूबे की एक सरकारी स्कूल के साधारण अध्यापक ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक वक्त ऐसा भी आएगा जब देश का प्रधानमंत्री दूसरे देश की धरती पर किसी संबोधन में उसका नाम लेंगे। साधारण एवं सरल स्वभाव के इस शिक्षक की कहानी की शुरूआत होती है एक आईएएस की मुलाकात से। तत्कालीन युवा कलेक्टर ने एक मुलाकात के दौरान कहा कि आप एप्प बना सकते हो? अब अधिकारी ने जब प्रश्न किया है तो शिक्षक की क्या मजाल उसे मना करे। तीन दिन बाद फिर कलेक्टर ने पूछा आपको पता है एप्प होता क्या है? तब जवाब मिला नहीं सर, बताइये। उसके बाद शुरू होता है सफलता का सिलसिला जो अब तक मुसलसल है। तीन महीने तक कम्प्यूटर शिक्षा की संबंधित किताबों का शिद्दत से मुताअला किया और इसके बाद पहला एप्प 2012 बनाया। इसके बाद अब तक 82 एप्प बनाकर देश को समर्पित कर चुके हैं। इस अध्यापक के लिए खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में न केवल नाम लिया बल्कि यह कहा कि मेरा भारत अलवर के इमरान खान में बसता है। गरीब एवं जरूरतमंद जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तो करना चाहते हैं लेकिन परिस्थितियां साथ नहीं देती ऐसे युवाओं को विशेष तैयारी कराने के उद्देय से दिशारी योजना के नाम से एप्प की शुरूआत भी की है। इसमें करीबन 22 हजार प्रश्न मौजूद हैं, और एक वर्ष में एक करोड दस लाख छात्रों ने टेस्ट भी दिए है।

एक दिवसीय दौरे पर बाडमेर आए देश के एप्प निर्माता एवं शिक्षक इमरान खान से राजस्थान खोज खबर से विशेष बातचीत की। इस दौरान खान ने कहा कि शिक्षक ही भारत को एक बार फिर विश्व गुरू बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि गरीब एवं होशियार बच्चों को परखने की जरूरत है और समय पर इन्हें तराशना चाहिए। युवाओं के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। व्यक्ति की रुचि के अनुसार शिद्दत से कार्य करना चाहिए सफलता अवश्य मिलेगी। ऐसे काम करने चाहिए या उत्पादन करना चाहिए जिससे समाज, देश को कुछ मिल सके। अभी हम ईमानदारी से काम नहीं करेंगे तो आने वाली पीढियां हमें माफ नहीं करेगी। भारत बहुत बडा देश है जिसमें अधिक संसाधनों की आवश्कता है। शिक्षा के साथ आईटी को भी महत्व देना चाहिए। बच्चों को खेल-खेल में महत्वपूर्ण जानकारी मिले इसके लिए विभिन्न एप्प का निर्माण किया गया है। देश एवं दुनिया के डेढ करोड से अधिक युवा इसका लाभ ले रहे हैं। खान कभी कॉलेज नहीं गए, 12 वीं के बाद सरकारी सेवा में लग गए लेकिन उनकी लगन का सिला है कि कॉलेज छात्रों के लिए उनका एप्प दिशारी चल रहा है। जिसका लाभ कॉलेज छात्र ले रहे है।

## भामाशाह सम्मान से नवाजा

अलवर जिले मालाखेडा के रहने वाले सरकारी स्कूल के अध्यापक इमरान खान ने पहला एप्प 2012 में बनाया और 2015 तक तीन वर्ष में 52 एप्प बनाए। इसके बाद में देश की मानव संसाधन मंत्री इस्मृति ईरानी ने इन्हें दिल्ली बुलाकर पूछा कि यह एप्प देश को समर्पित कर सकते हैं? इन्होंने कहा कि मैडम अब तक 35 लाख युवा इसका उपयोग कर रहे हैं, और बेशक देश के लिए समर्पित कर रहा हूं। इसके बाद में लंदन के एक कार्यक्रम में देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मेरा देश अलवर के इमरान खान में बसता है। वहीं राज्य सरकार ने प्रदेश का सबसे बडा सम्मान भामाशाह सम्मान से भी नवाजा, खास बात यह रही कि इस सम्मान में एक नंबर पर इस सामान्य शिक्षक का नाम था और दो नंबर पर हैवेल्स कंपनी के मालिक को सम्मान मिला।

## आईएएस अकादमी को संबोधित किया

अब तक 82 एप्प देश को देने वाले इस शिक्षक को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण केन्द्र मसूरी में प्रशिक्षार्थी आईएएस अधिकारियों को संबोधित करने का भी भारत सरकार ने मौका दिया। जहां प्रशिक्षु अधिकारियों को विभिन्न एप्प एवं आईटी के क्षेत्र में जानकारी दी।

## शिक्षकों को संदेश

शिक्षकों को संदेश देते हुए कहा कि शिक्षकों का मान बहुत ऊंचा है, इसे बनाए रखने के लिए शिक्षकों को ईमानदारी एवं कडी मेहनत की जरूरत है। जिस दिन यह वर्ग ईमानदारी से बच्चों को शिक्षित करने में लगेगा, उस दिन भारत फिर से विश्व गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाएगा। बच्चों में टॅलेंट बहुत है लेकिन तराशने की जरूरत है, शिक्षक उन्हें तराशकर मौका दें जिससे उसका लाभ देश को मिल सके।

## डेढ़ करोड़ यूजर्स, छह लाख विदेशी

2012 में पहला एप्प बनाया, तीन साल की मेहनत से 2015 तक 52 एप्प तैयार हुए। एप्प बनाने की कला इस कद्र चढी की अब तक इमरान खान ने 82 एप्प बनाकर देश को दिए हैं, जिनके अब तक डेढ करोड यूजर्स है, इनमें से 96 फीसदी युवा भारतीय है तथा छह लाख यूजर्स अन्य 50 देशों के हैं।

**कार्रवाई •** युवाओं को कॅरियर बनाने में सहायता करने के साथ जागरुकता फैलाने का माध्यम बना एप

# युवा शक्ति एप पर डाली शिकायत, कलेक्टर ने बंद कराई स्कूल के पास संचालित शराब की अवैध दुकान

भास्कर संवाददाता | अलवर

अलवर शक्ति अभियान के युवा शक्ति एप का प्रयोग न केवल रोजगार, कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं व कॅरियर निर्माण में सहायता प्रदान करने के लिए हो रहा है, अपितु सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी यह मददगार साबित हो रहा है। हाल ही एप पर मौजूद ओपन फॉर्म का प्रयोग कर त्वरित कार्यवाही करते हुए राजगढ़ के सकट गांव में अवैध शराब की दुकान बंद कराई गई है। फिलहाल जिला प्रशासन द्वारा ब्लॉक वार युवा चौपालों का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। इसके संबंध में युवाओं के फीडबैक इस एप पर मिल रहे हैं। गुरुवार को सकट में आयोजित युवा चौपाल से पहले एक युवा ने ओपन फॉर्म पर लिखा कि उनके स्कूल के पास अवैध शराब की एक दुकान चलाई जा रही है। सुबह 7 बजे लिखे इस मैसेज पर अलवर शक्ति टीम ने तुरंत एक्शन लेते हुए कलेक्टर को इस बारे में बताया। कलेक्टर ने इस पोस्ट का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए राजगढ़ एसडीएम को निर्देशित किया। इसके तुरंत बाद शराब की अवैध दुकान को बंद करा दिया गया। इस तरह युवाओं में जागरूकता लाने और डिजिटल माध्यम से प्रशासन से जुड़ने का बेहतरीन अवसर युवा शक्ति प्रदान कर रहा है। एपगुरु इमरान खान ने बताया कि इस पर लगातार नए-नए फीचर्स जोड़े जा रहे हैं। फिलहाल इसके मुख्य फीचर्स हैं-रोजगार के अवसर, कौशल विकास के लिए सुविधाएं, सम सामयिकी, ऑनलाइन टेस्ट, शक्ति इवेंट्स, जिले में हो रहे सकारात्मक कार्य और ओपन फॉर्म। युवाओं द्वारा ओपन फॉर्म और ऑनलाइन टेस्ट को सर्वाधिक पसंद किया जा रहा है। समसामयिकी को भी काफी पसंद किया जाता है। ओपन फोरम पर अब तक 3824 कमेंट्स आ चुके हैं। ज्यादा चर्चा रोजगार और कॅरियर निर्माण से संबंधित विषयों पर हो रही है।

**युवा शक्ति एप के यूजर्स ने पार किया 35 हजार का आंकड़ा** : फिलहाल युवा शक्ति एप पर अलवर जिले के 35 हजार युवा जुड़े हुए हैं और इस प पर उपलब्ध विभिन्न फीचर्स का फायदा उठा रहे हैं। एप पर नियमित रूप से सुबह एक प्रेरणास्पद संदेश भी भेजा जाता है।

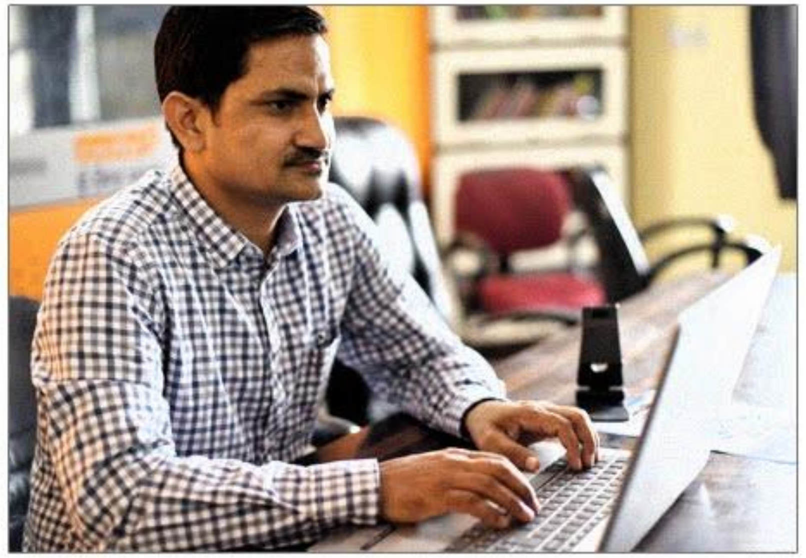

# विद्यार्थियों को साइबर जागरुक बनाने की जरूरत : इमरान

भास्कर संवाददाता | अलवर

राजस्थान शिक्षा विभाग ने यूनिसेफ और साइबर पीस फाउंडेशन के सहयोग से साइबर सेफ्टी पर वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार का उद्देश्य ऑनलाइन शिक्षण में डिजिटल डिवाइसेज के प्रयोग के दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाने के लिए कार्ययोजना बनाना था।

वेबिनार में स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर रमसा भंवरलाल, एएसपीडी देवयानी, यूनिसेफ के संजय निराला, सेव द चिल्ड्रन से रमाकांत, पुलिस साइबर क्राइम एक्सपर्ट धीरज वर्मा, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय से प्रवीण कुमार, डिप्टी डायरेक्टर अख्तर रिजवी, सहायक निदेशक सुनीता चौधरी सहित 200 से अधिक शिक्षा अधिकारी मौजूद थे।

एपगुरु इमरान खान ने वेबिनार में पैनलिस्ट के रूप में भाग लेते हुए कोविड-19 के कारण ऑनलाइन शिक्षण के पहलुओं पर विचार रखे और कहा कि ऑनलाइन शिक्षण समावेशी शिक्षा के लक्ष्य को पाने में बेहद मददगार साबित हो सकता है, क्योंकि इससे हर एक विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहे, जहां चाहे और जितना चाहे पढ़ सकता है। साइबर अपराध से डरकर बच्चों को आधुनिक तकनीक से दूर करने के बजाय उन्हें साइबर जागरूक बनाने की जरूरत है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को डिजिटल डिवाइस उपलब्ध कराने, शैक्षिक वाईफाई जोन बनाने और शिक्षा विभाग के लिए अलग से साइबर जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया। इससे छात्र अपितु शिक्षक व अभिभावक भी साइबर अपराधों से बच सकेंगे। इस दौरान वक्ताओं ने विद्यालयों के शैक्षिक पाठ्यक्रम में साइबर अवेयरनेस को शामिल करने का सुझाव भी दिया।

# NEWS

## TEACHER WHO DEVELOPED APPS TO ADDRESS IAS OFFICERS TODAY

**JAIPUR::** Mohammad Imran Khan, 40, a government schoolteacher from Rajasthan, will address around 100 Indian Administrative Service (IAS) officers, with 25-30 years of seniority, in Mussoorie on Friday.

The 40-year-old mathematics teacher is a self-taught web developer, who has made more than 80 educational mobile applications so far. Khan has donated all these apps to the Ministry of Human Resource Development (MHRD).

Khan got the invite from LBSNAA (Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration) special director and course coordinator Arti Ahuja for the session. HT has seen the invitation letter.

According to the invite, Khan will take a session on 'Voices from the Field: The Ecosystem of Innovation' with Padma Shri Anil Gupta, professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad, during a mid-career training programme for IAS officers at LBSNAA in Mussoorie.

Prior to this, Khan has taken sessions on innovations during the training of 2017 and 2018 batch of the IAS officers this year.

During his third visit to LBSNAA, Khan is taking a session during the phase-V course running from June 17 to July 5. IAS officers from 1988 to 1992 batches are attending the course.

The academy conducts mid-career training programmes for IAS officers. The courses are spread across three phases – phase 3 for officers with 7-9 years seniority, phase 4 for officers with 15-20 years seniority and phase 5 for officers with 28-30 years seniority. The phase-V course centres on strategic management and inter-sectoral policy formation and implementation. **HTC**

# 'Need for one education system'

*Architect of 56 mobile apps, Imran Khan believes technology will bring all students at a single platform*

Imran Khan during a conference at Birla Auditorium on Friday . —Dalbeer Singh Negi. dna

Vishal Srivastav @vishalforu

'Intolerance' was being described by Prime Minister Narendra Modi at London's star-studded Wembley Arena on November 13, 2015 when he said "My India is in Imran Khan!".

Khan was fast asleep, dreaming about updating more than 56 mobile applications he has thrown to the use of people free-of-cost.

At 12.30 am his Nokia 1100 phone rang but he didn't pick. It rang again for more than 100 times that night signifying that Khan's life was never going to be the same ever after.

"Since that day, my life has changed. But as a person, I am still the same. The only addition in my lifestyle is that I now own a smartphone. But yes, I want to dedicate more and more to the people of my country," said the 37-year-old mathematics teacher from Alwar's Khareda village.

Khan's life story is quite influential. He doesn't own a technical degree, but as of now, has developed more than 52 mobile apps for students which include General Knowledge, Science, Maths and many others. All for free.

Ask him if he rues not having a technical degree and he responds promptly, "Latth gaad dete agar technical degree hoti' (If I had a technical degree, I would have won the world)."

The 37-year-old, who is Economics graduate, has learnt the art of app development from the used books left at home by his brother who went to Noida to pursue a job after completing his BTech degree.

Commenting on the current system of education in India, Khan says that the ministry of human resource and development has a task cut out at its hands.

"I think this discrimination in education wherein private education dominates, is the greatest flaw why our country is still not achieving big despite capabilities. There should be one education system from villages to cities. People should get equal education and there should be no state board examinations. But I also know this is not easy to do but someday you will have to do it then why not start it now," said Khan adding that there should be more use of technology in educating children.

"Use of technology in education is new for us but the US has been doing it for ages now. This will bring all the students at one platform where there is enormous scope of learning together and exploring," Khan extended his view on education.

> *Use of technology in education is new for us but the US has been doing it for ages now. This will bring all the students at one platform where there is enormous scope of learning together and exploring.*
> **IMRAN KHAN,** *app developer*

### A SELF-TAUGHT, SELF-MADE MAN

Imran Khan's life story is quite influential. His life changed after PM Narendra Modi mentioned his name at London's star-studded Wembley Arena on November 13, 2015. He doesn't own a technical degree, but has developed more than 52 mobile apps for students which include General Knowledge, Science, Maths and many others.

## Achievers share changes, challenges they braved

dna correspondent @jaipurdna

People who have been the change they wanted to see, enthralled a jam packed hall at Birla Auditorium during ChaT or Changing Tomorrow.

A two-day conference aimed at bringing about a fundamental change in the way the average Indian youth today thinks, transforming them into positive change agents by connecting them on an individual, as well as global scale, to encourage simple ideas which can break mindsets, challenge pre-conceived notions and create hunger for change from within.

The conference started with Azure's Akancha Srivastav's presentation. Akancha's presentation was on how dreaming is important. Then actor and film producer Vivek Gomber, whose film 'court' has won 33 awards, shared his experience.

In the next phase of the show Alwar based Imran khan interacted with audience. Imran who has made 52 educational apps, is a teacher. Prime minister Narendra Modi also talked about Imran in his speech. After Imran's session, singer and music composer Joi Barua presented his presentation.

After that, Pushpendar Sing of Travelkhana interacted with the audience. He said that travelkhana started from Jaipur and now travelkhana is available in 400 stations of India.

Following him was the writer, director and music director of film Gulab Gang, Soumik Sen who shared his experience.

The conference is being organised by leading event management company of Rajasthan Swishin. Mahavir Sharma, director of the organising company Swishin said that in the conference every individual session seeks to tackle a particular issue or situation commonly faced in life during youth, and the experiences are delivered by young leaders who have set an example for the society through their unique and inspiring thoughts and efforts in life.

> *Every session seeks to tackle a particular issue commonly faced in life during youth. The experiences are delivered by young leaders who have set an example through their unique efforts.*
> **MAHAVIR SHARMA,** *director, Swishin*

Audience all ears during the conference ChaT . —dna

# NEWS

## Inspiring young India

Tagore Public School, Shastri Nagar organised a special session for the students of class XI and XII. The guest speaker for the session was Mohammad Imran Khan, an Indian mathematics teacher, app developer and a self-taught computer programmer from Alwar, Rajasthan. Mohammad Imran Khan's name was mentioned by Prime Minister, Narendra Modi during his speech at Wembley Stadium, London.

He began his session by expressing his happiness over Narendra Modi's admiration of his efforts. Mentioning about his success after loads of struggle, he said that when he was a student, he wanted to be a scientist but became a third grade government teacher after completing a two year teaching course.

Through a presentation he showed some of his apps like Dishari, Digital Mewat and many other apps which are of great utility for students preparing for competitive examination and provide free study material. The students were motivated and enthralled to hear from Imran Khan. They asked questions of how Imran overcame his struggles, his strength of achieving his dreams. He encouraged the students to put in their best efforts and stick to their dreams.

The director of the Institution, P.D. Singh and school CEO, Dr. Ruchira Solanki, appreciated his endeavours in the field of education and said that he is a true inspiration for all. They also added that one can achieve what one desires for, no matter where you come from, the key to achieve success is to stand and put in your efforts.

**Mohammad Imran Khan's name was mentioned by Prime Minister, Narendra Modi during his speech at Wembley Stadium, London. The students were motivated and enthralled to hear from Imran Khan.**

### कोरोना काल के दो साल में 240 प्रतिशत बढ़े यूजर्स

# इमरान के शैक्षिक एप्प्स से लाखों अभ्यर्थियों को मदद

पत्रिका एजुकेशन ट्रेंड्स

**पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क**
patrika.com

**अलवर.** कोरोना काल में शिक्षण व्यवस्था को सुचारू रखने में सूचना तकनीक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ अध्ययन-अध्यापन करने में मोबाइल फोन और शैक्षिक एप्स का प्रयोग बहुत तेजी से बढ़ा है। अलवर के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित एपगुरु इमरान खान के ऐप्स में भी बहुत तेज वृद्धि देखने को मिली है। कोरोना काल में उनके ऐप्स के जरिए लाखों अभ्यर्थियों को पढ़ने में मदद मिली है। इमरान ने बताया कि एप्स के गूगल एनालिटिक्स डाटा का अध्ययन करने से पता लगा है कि पिछले 2 वर्षों में एप के यूजर्स उससे पूर्व के आंकड़ों की तुलना में 240 प्रतिशत बढ़े हैं। सभी एप्स का प्रयोग लेने वाले कुल यूजर्स 3 करोड़ का आंकड़ा पार कर गए हैं। इन दो वर्षों में स्क्रीन व्यूज में 326 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कोरोना से पूर्व उनके एप्स पर एक यूजर की ओर से औसत बिताया जाने वाला समय 29 मिनट से बढ़कर 37 मिनट 56 सेकंड हो गया जो कोरोना से पूर्व की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है। साथ ही किसी एक एप का औसत अध्ययन 146 पेज था जो 25 प्रतिशत बढ़कर 184 पृष्ठ हो गया है।

### इमरान के एप्स पर एक नजर

| एप | यूजर्स |
|---|---|
| दिशारी एप | 5.76 लाख |
| जनरल साइंस इन हिंदी | 14.3 लाख |
| हिन्दी व्याकरण | 15.8 लाख |
| राजस्थान जीके | 8.37 लाख |
| हिस्ट्री जीके | 13.2 लाख |

### इन एप्स का हुआ सर्वाधिक उपयोग

कोरोना काल के दौरान

सर्वाधिक प्रयोग में लिए गए एप्स में राजस्थान जीके, दिशारी, देववाणी, इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन, जनरल साइंस, हिंदी ग्रामर, आर एस सी आई टी, फिटर थ्योरी, नर्सिंग एग्जाम आदि प्रमुख हैं।

**लाखों अभ्यर्थियों ने निःशुल्क अध्ययन किया :** इमरान की ओर से बनाए गए एप्स पर कोरोना काल में लाखों अभ्यर्थियों ने निःशुल्क अध्ययन किया। रीट, पटवार भर्ती, आरएएस आदि परीक्षाओं के लिए बड़ी संख्या में युवाओं ने एप की मदद ली। जिनसे उन्हें परीक्षा में लाभ भी मिला। युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कंटेंट की मांग की। परीक्षाओं से पहले एप्स पर ऑनलाइन नोट्स, मॉक टेस्ट आदि सुविधाएं भी भी प्रदान की गई। इमरान ने बताया कि यूजर्स की संख्या में बढ़ोतरी के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी। इसलिए अधिक मेहनत की। समय-समय पर एप्स की जानकारी को अपडेट किया। एप्स की गुणवत्ता में भी सुधार किया गया। इस दौरान मैंने संस्कृत शिक्षा विभाग के लिए देववाणी ऐप बनाया साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दिशारी एप व अन्य सभी एप्स को लगातार अपडेट किया है ।

# NEWS

# Govt launches free learning app for competitive exams

HT Correspondent
▪ htraj@hindustantimes.com

▪ Education minister Kiran Maheshwari launches the DISHARI app in Jaipur on Tuesday. HT PHOTO

JAIPUR: A mobile application, Dishari, was launched by higher education minister Kiran Maheshwari on Tuesday. The app will help college students prepare for competitive exams (by providing free study materials) and also notify them of the same.

Dishari has been developed by Imran Khan, a Sanskrit teacher and web developer from Alwar, who was praised by Prime Minister Narendra Modi during his speech at Wembley Stadium in London in November 2015. Khan has made more than 70 educational apps that are available to learners free of cost.

"The app has over 9,400 questions on topics ranging from current affairs and general knowledge to mathematics and reasoning. It will also send updates to students regarding exam forms, exams and job opportunities," said Khan.

Although it is aimed at college students, the app can be downloaded by anyone and is free of cost. It will soon be available for use on computers too.

Before using the app, one has to register on it with basic details such as name, district and college (if enrolled). This will generate data about students' inclinations and usage, which can be analysed by department officials for policy purposes, said Khan.

> The app will also send updates to students regarding exams and job opportunities.
>
> IMRAN KHAN, Teacher

"The app will help students, from even remote areas of the state, access study materials and resources available to students from other states," Maheshwari said while launching the app.

Dishari app is a part of the department's Dishari scheme, under which around 3,500 students from 10 colleges are being trained for competitive exams. Maheshwari added that the department will extend the scheme to other colleges soon.

Maheshwari also launched 'Management Information System' app for geo-tagging all the government colleges of the state. The app has been developed by Deepak Maheshwari, a geography lecturer at Government Meera Girls College, Udaipur, for state government colleges. MIS will give the academic, geographical and administrative information about the colleges and help in policy formulation, said Maheshwari.

The minister also said that a Guru-Shishya Samvad (teacher-student dialogue) will be organised in each district soon. It will serve as a field visit for the officials as well as a mechanism for feedback garnering.

---

भास्कर खास • सूचना तकनीक से पर्यावरण संरक्षण का अनूठा प्रयास, ज्ञानवर्धन भी हो रहा

# दिशारी एप से 4 लाख विद्यार्थियों ने दिए 1 करोड़ 40 लाख टेस्ट, अगर कागज पर देते तो कट जाते साढ़े तीन हजार पेड़

दैनिक भास्कर एक पेड़ एक ज़िंदगी

भास्कर संवाददाता | अलवर

सूचना तकनीक का सदुपयोग कितना लाभदायक हो सकता है इसका अच्छा उदाहरण है दिशारी एप। देशभर में डिजिटलाइजेशन की मुहिम चल रही है। ऐसे में दिशारी एप इस मुहिम का बड़ा हिस्सा बनकर सामने आया है। अब तक इस एप के जरिए एक करोड़ 40 लाख टेस्ट दिए जा चुके हैं। एप गुरु इमरान खान का दावा है कि ऑनलाइन टेस्ट से अब तक 3 हजार 570 पेड़ बचे है।

मोबाइल फोन के माध्यम से शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराकर कागज के उपभोग को आश्चर्यजनक रूप से कम किया जा सकता है। दिशारी पर आयोजित ऑनलाइन टेस्ट को यदि ऑफलाइन मोड अर्थात पेपर पेंसिल द्वारा दिया जाता तो कुल 4 करोड़ 20 लाख पेपर का प्रयोग होता। यह गणना प्रत्येक टेस्ट में केवल 3, एए4 साइज पेपर (प्रश्न पत्र, ओएमआर शीट व रिव्यू शीट) के लिए की गई है। इसके अनुसार कुल 84 हजार रिम का प्रयोग होता। इस कार्य में 210 टन पेपर प्रयोग होता। वैज्ञानिक रूप से स्पष्ट है कि 1 टन कागज तैयार करने में औसतन 17 पेड़ काटे जाते हैं। इस तरह दिशारी ऑनलाइन टेस्ट की आवश्यक कागज तैयार करने के लिए 3570 पेड़ों का प्रयोग किया जाता। कागज की कॉस्ट आकलन किया जाए तो लगभग 1 करोड़ 30 लाख बनती है आधुनिक तकनीक का शिक्षा में प्रयोग पर्यावरण के लिए कितना उपयोगी हो सकता है दिशारी एप इसका जीता जागता उदाहरण है।

## युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मददगार है एप

इमरान

दिशारी एप युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद करता है । इसे राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा लांच किया गया है। दिशारी एप को लगातार अपडेट करने का कार्य खुद एप गुरु व शिक्षक इमरान खान करते हैं। इस एप ने युवाओं के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की है। ग्रामीण क्षेत्र और गरीब परिवार के बच्चों के लिए यह एप घर बैठे निशुल्क कोचिंग का पर्याय बन गया है। हाल ही में इस एप में रजिस्टर्ड यूजर्स का आंकड़ा चार लाख पार कर गया है । ऑनलाइन टेस्ट ने विद्यार्थियों को घर बैठे अपना स्तर जांचने की सुविधा प्रदान की है अब तक ऐप के माध्यम से 1 करोड़ 40 लाख टेस्ट दिए जा चुके हैं । इमरान वे शिक्षक है जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने लंदन में भी प्रचारित किया था।

---

अलवर के इमरान खान अब कन्नड़ भाषा में बनाएंगे शिक्षा का एप

# एप गुरु को बेंगलुरु में मिला सोशल हीरो अवार्ड

भास्कर संवाददाता | अलवर

एप गुरु इमरान खान को उनके एप निर्माण और 50 एप्स देश के विद्यार्थियों के लिए मुफ्त समर्पित करने के लिए बेंगलुरु में सोशल हीरो अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार इमरान को कर्नाटक सरकार में माइनॉरिटी वेलफेयर डिपार्टमेंट के डायरेक्टर अकरम पाशा ने साउथ इंडिया एनजीओ एसोसिएशन की कॉन्फ्रेंस में दिया। इस अवसर पर साउथ इंडिया के 300 से अधिक एनजीओ प्रतिनिधि मौजूद थे। यह पुरस्कार देश में 3 लोगों को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में इमरान खान ने कन्नड़ भाषा में शिक्षा के एप बनाकर देने के लिए कहा। उन्होंने कई कॉलेज में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। खान शिक्षक हैं और फिलहाल कॉलेज शिक्षा विभाग राजस्थान में दिशारी एप के निर्माण और नियमित अद्यतन करने में लगे हुए हैं।

इमरान खान को बेंगलुरु में सोशल हीरो अवार्ड देते अतिथि।

उनके 80 मोबाइल एप्स हैं, जिनसे 15 मिलियन विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। इन एप्स का प्रयोग केवल भारत ही नहीं बल्कि 50 देशों में किया जाता है। उन्हें शिक्षा में नवाचार के लिए राजस्थान सरकार की ओर से भामाशाह पुरस्कार, केंद्र सरकार की ओर से नेशनल आईसीटी पुरस्कार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

---

# फाइट फॉर कोरोना कैंपेन की शुरुआत, वॉलिंटियर खुद को कर सकेंगे रजिस्टर्ड

अलवर| लॉकडाउन के दौरान आमजन को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से अलवर फाइट्स कोरोना कैम्पेन की शुरुआत की गई है। इस कार्य में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए युवा शक्ति एप पर अलवर फाइट्स कोरोना वॉलिंटियर्स मॉडयूल जोड़ा गया है। इस मॉडयूल के जरिए कोरोना महामारी से लड़ने के लिए युवा अपने आपको वॉलिंटियर के रूप में सहायता प्रदान करने के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसमें जिला प्रशासन को वॉलिंटियर्स की सूची ब्लॉक और पंचायत अनुसार प्राप्त होगी। साथ ही जिलेभर में काम कर रहे वॉलिंटियर्स इस एप पर अपने कार्यों की सूचना डाल सकते और मदद की जरूरत के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं जिससे समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। इस फीचर का उद्देश्य लॉकडाउन के दौरान जिला प्रशासन और वॉलिंटियर्स द्वारा सुव्यवस्थित तरीके से अधिकतम लोगों को मदद पहुंचाना और इस कार्य के लिए एक जिला स्तरीय मंच प्रदान करना है।

**शक्ति चैटबॉटः** शक्ति चैटबॉट युवा शक्ति एप में चैट के माध्यम से जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शक्ति चैटबॉट का विकास किया गया है। इसमें कोरोना वायरस और अलवर शक्ति अभियान के बारे में चैट कर सकते हैं। चैट का जवाब एप द्वारा स्वतः ही दिया जाता है। इस चैटबॉट में कोरोना महामारी, उसके लक्षण, बचाव के लिए सावधानियां, सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर, चित्र, कॉमिक बुक व बैनर का समावेश किया गया है।

# NEWS

# एपगुरु इमरान ने बनाया संस्कृत शिक्षा के लिए देववाणी एप, सीएम ने किया ई-लोकार्पण

## दो दिन में दस हजार विद्यार्थियों व शिक्षकों ने इंस्टॉल किया देववाणी एप

भास्कर संवाददाता | अलवर

कोरोना महामारी के कारण विद्यार्थियों का स्कूल जाना बंद है। निजी विद्यालयों ने ऑनलाइन क्लासेस से इसकी भरपाई करने की कोशिश की है, वहीं सामान्य शिक्षा विभाग द्वारा स्माइल प्रोग्राम के माध्यम से व्हाट्सएप से अभिभावकों के फोन पर शिक्षण सामग्री व वीडियो लिंक भेजकर इसकी भरपाई करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में संस्कृत शिक्षा विभाग के सामने संस्कृत विषय के अध्ययन को जारी रखने के लिए चुनौती खड़ी हो गई है। संस्कृत विद्यालयों में चलने वाली संस्कृत पुस्तक को स्वयं द्वारा पढ़ना संभव नहीं है। इस समस्या के समाधान के लिए एपगुरु इमरान खान ने संस्कृत

अलवर. देववाणी एप के शुभारंभ पर मौजूद एपगुरु इमरान खान व अन्य।

शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ देववाणी एप तैयार किया है। देववाणी एप का ई-लोकार्पण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने शिक्षकों से देववाणी एप को संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। संस्कृत शिक्षा आयुक्त डॉ. समित शर्मा ने कहा कि विभाग ने अपने ही शिक्षकों के माध्यम से पूरी तरह से स्वयं निर्मित एप बनाकर एक बड़ी पहल की है। जिसमें तकनीक से लेकर कंटेंट और लगातार अपडेट करने का कार्य विभाग विभाग के शिक्षक स्वयं कर रहे हैं।

**एप में हैं कक्षा 3 से 12वीं तक की पुस्तकों के वीडियो:** इमरान खान खुद संस्कृत के अध्यापक नहीं हैं, इसलिए एप के लिए कंटेंट संस्कृत विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा तैयार किया गया है। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के सभी संस्कृत पुस्तकों के लिए अध्याय वार वीडियो और ऑनलाइन टेस्ट का समावेश किया गया है। फिलहाल 418 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं और 1000 वस्तुनिष्ठ प्रश्न जोड़े जा चुके हैं। एप पर नियमित रूप से कंटेंट अपलोड किया जाता है। देववाणी एप को 2 दिन में राजस्थान के 10 हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा इंस्टॉल किया गया है।

# एप पर संस्कृत सहित सभी विषय के ई-कंटेंट अपलोड

## 1035 वीडियो, 3000 से अधिक प्रश्न अपलोड

**अलवर** | संस्कृत शिक्षा विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों तक ई-कंटेन्ट की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एपगुरु इमरान खान द्वारा बनाए गए देववाणी एप में संस्कृत विषय के अलावा अन्य सभी विषयों के ई-कंटेन्ट का भी समावेश किया गया है। एप लॉन्च के समय इसमें केवल संस्कृत विषय के वीडियो और प्रश्नपत्र अपलोड किए गए थे। हाल ही संस्कृत शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विषयों के ई-कंटेन्ट को भी इस एप पर उपलब्ध कराया जा रहा है। देववाणी एप पर नियमित रूप से स्माइल कार्यक्रम के लिंक्स भी भेजे जाते हैं। फिलहाल इस एप पर संस्कृत शिक्षा विभाग के 50,000 विद्यार्थी रजिस्टर्ड हैं और नियमित रूप से इसे प्रयोग ले रहे हैं। अपने विषय और अध्याय अनुसार ऑनलाइन टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है जिससे छात्र स्वयं मूल्यांकन कर सकते हैं। एप पर 1,035 वीडियो और 3000 वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया है। खास बात यह है कि इस एप पर उपलब्ध सभी ई-कंटेन्ट संस्कृत शिक्षा विभाग के शिक्षकों ने निशुल्क तैयार किए हैं जिसकी जांच राजस्थान संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद जयपुर द्वारा की जाती है। इसके बाद ही इन्हें एप पर अपलोड किया जाता है।

NEWS



# एपगुरु इमरान खान बता रहे हैं शिक्षण में ऑनलाइन तकनीक का प्रयोग, आने वाली चुनौतियां और स्माइल प्रोजेक्ट के बारे में

भास्कर संवाददाता | अलवर

कोरोना महामारी से शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। स्कूल, कॉलेज व कोचिंग बंद हैं। बच्चे घरों पर हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा विभाग के सामने यह चुनौती है कि बच्चों के शिक्षण को कैसे जारी रखा जाए। इस क्षेत्र में अब सूचना तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। कहीं व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से लिंक भेजे जा रहे हैं, कहीं वर्चुअल क्लासेस लगाई जा रही हैं। कहीं पर यू-ट्यूब से प्रसारण हो रहा है और कहीं पर टीवी से प्रसारण किया जा रहा है। राजस्थान सरकार ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षण को जारी रखने के उद्देश्य के साथ स्माइल प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। एपगुरु इमरान खान बता रहे हैं शिक्षण में ऑनलाइन तकनीक का प्रयोग, इसके प्रयोग में चुनौतियां और इस्माइल प्रोजेक्ट के बारे में। इमरान के एंड्रॉयड फोन के लिए बनाए गए 80 मोबाइल एप्लीकेशन गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं। यह एप्स प्राथमिक माध्यमिक और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हैं। सभी एप फ्री हैं।

**सवाल : राजस्थान सरकार का स्माइल प्रोजेक्ट क्या है?**

**जवाब** : स्माइल प्रोजेक्ट लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन माध्यम से बच्चों को सोशल मीडिया का प्रयोग करते हुए अध्ययन कराने के लिए राजस्थान सरकार का अभिनव प्रयोग है। स्माइल का फुल फॉर्म है सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग इंगेजमेंट।

**सवाल : स्माइल प्रोजेक्ट का संचालन किस प्रकार होता है?**

**जवाब** : स्माइल प्रोजेक्ट के तहत लगभग 20,000 व्हाट्सएप ग्रुप्स शिक्षा विभाग द्वारा बनाए गए हैं। इन ग्रुप्स पर नियमित रूप से क्लास वाइज ई-कॉन्टेंट के लिंक भेजे जाते हैं। ई-कॉन्टेंट का चयन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। शिक्षा विभाग द्वारा द्वारा ई-कॉन्टेंट व्हाट्सएप के माध्यम से जिला स्तरीय टीम को भेजा जाता है। जिला स्तर से ब्लॉक स्तर को और वहां से संस्था प्रधान, शिक्षकों तक यह ई-कॉन्टेंट पहुंचता है। क्लास टीचर द्वारा अपनी कक्षा के बच्चों और अभिभावकों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में कंटेंट भेजा जाता है। बच्चे अपनी कक्षा का ई-कॉन्टेंट मोबाइल के माध्यम से देखते हैं। समय-समय पर टेस्ट पेपर विषय अध्यापक द्वारा प्रेषित किए जाते हैं।

**सवाल : स्माइल प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कैसे की जाती है?**

**जवाब** : यह स्वशिक्षण को बढ़ावा देने वाला प्रोजेक्ट है। ई-कॉन्टेंट लिंक्स के साथ एक फीडबैक फॉर्म भी प्रेषित किया जाता है जिसे शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों द्वारा भरा जाता है। उसके आधार पर भेजे गए ई-कंटेंट की उपयोगिता का आकलन होता है। साथ ही नवीन सुझाव भी प्राप्त होते हैं।

# विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षण लॉकडाउन के दौरान हो रहे नुकसान की भरपाई का माध्यम है

## सवाल : स्माइल प्रोजेक्ट के संचालन में कौनसी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

**जवाब** : कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जैसे गरीब परिवारों के पास स्मार्टफोन नहीं है। इंटरनेट की अनुपलब्धता है या फिर धीमा इंटरनेट है, जिससे यूट्यूब वीडियो देख पाना संभव नहीं है। इसके अलावा यह भी देखने में आया है कि घर में एक स्मार्टफोन होता है और पढ़ने वाले दो-तीन बच्चे होते हैं जिससे सभी बच्चे ई-कॉन्टेंट को नहीं देख पाते हैं या कंटेंट देखते वक्त फोन आने पर अभिभावक फोन ले लेते हैं जिससे सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है। ग्रामीण क्षेत्र में एक और बात देखने को मिलती है कि अभिभावक छात्राओं को फोन देना पसंद नहीं करते हैं जिससे बालिकाएं कंटेंट का फायदा उठाने से वंचित रह जाती हैं।

**सवाल : कोरोना के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं, ऐसी स्थिति में ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ाने और स्माइल प्रोजेक्ट का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए क्या सुझाव है?**

**जवाब** : कोरोना के अभी के हालात को देखते हुए यह कह सकते हैं कि जब तक कोरोना वैक्सीन नहीं आती है, तब तक किसी ना किसी रूप में लॉकडाउन जारी रह सकता है और सुरक्षा की दृष्टि से विद्यालय बंद रह सकते हैं। इसलिए बच्चों के शिक्षण पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को कम करने के लिए ऑनलाइन लर्निंग उपयुक्त साधन है। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए न्यूनतम संसाधनों के साथ लर्निंग को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए अभिभावकों को मेरा सुझाव है कि शिक्षा पर किया गया खर्च निवेश की तरह है इसलिए बच्चों को ऑनलाइन शिक्षण के लिए आवश्यक संसाधन जैसे मोबाइल, टैबलेट, कंप्यूटर, इंटरनेट आदि की व्यवस्था करने से हिचकिचाएं नहीं। लॉकडाउन के बाद भी ये संसाधन बच्चों को इंटरनेट के माध्यम से अथाह ज्ञान भंडार तक पहुंच सुनिश्चित करने में मददगार होंगे।

**सवाल : लॉकडाउन के दौरान घर से ही विद्यार्थियों को पढ़ाने में तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है, इस संबंध में शिक्षकों के लिए क्या सुझाव है?**

**जवाब** : शिक्षकों से मेरा कहना है कि लॉकडाउन एक वार्निंग और एक अवसर की तरह है। अब आप को समझना चाहिए कि आधुनिक सूचना तकनीक आने वाले समय में शिक्षा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है, इसलिए अपने आईसीटी के स्किल्स को बढ़ाएं, ई-कॉन्टेन्ट तैयार करना सीखें और ऑनलाइन शिक्षण से संबंधित टूल्स से परिचित हों। साइबर सेफ्टी के बारे में जानकारी हासिल करें और तकनीक के जानकार बनें।

**सवाल : लॉकडाउन के दौरान बच्चे घर पर रह रहे हैं, बाहर जाकर खेल भी नहीं सकते, उनके लिए क्या सुझाव है?**

**जवाब** : छात्रों से कहना चाहूंगा कि नॉलेज ही पावर है और लॉकडाउन के कारण विद्यालय भले ही बंद हो पर नॉलेज हासिल करने की अपनी इच्छा शक्ति को खत्म ना होने दें। सीखने की ललक जरूरी है। स्माइल प्रोजेक्ट के तहत आ रहे ई-कॉन्टेंट को देखें। आवश्यक होने पर फोन से ही या वीडियो कॉल के माध्यम से अपने शिक्षक से अपनी शंकाओं का समाधान करें। एनसीईआरटी के पोर्टल या ई-पाठशाला एप से आप किसी भी कक्षा की बुक फ्री में डाउनलोड कर सकते हैं। साथ ही स्वयं जैसे पोर्टल भी उपलब्ध हैं जहां से कोर्स कर सकते हैं। विकिपीडिया वैश्विक ज्ञान भंडार के रूप में मौजूद है। बस जरूरत है कि आप इसका प्रयोग सीखने में करें।

**सवाल : अभिभावकों को यह चिंता रहती है कि बच्चे मोबाइल का दुरुपयोग कर सकते हैं, आपके क्या सुझाव हैं?**

**जवाब** : निश्चित रूप से तकनीक के दो पहलू होते हैं। एक ओर यह सुविधा प्रदान करती है, दूसरी ओर चुनौतियां भी होती हैं। मोबाइल और इंटरनेट को प्रयोग करते समय हमें साइबर सेफ्टी का ध्यान रखना चाहिए। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों को अपने सामने ही मोबाइल, टेबलेट या कंप्यूटर प्रयोग करने की इजाजत दें, जिससे यह पता रहे कि क्या देख रहे हैं।

# ARTICLES

अलवर के एप मेकर शिक्षक इमरान...

## केवल किताबी नहीं अब बच्चों को मिले डिजिटल नॉलेज

एप मेकर अलवर निवासी शिक्षक इमरान खान का जिक्र लंदन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में किया था। पचास से ज्यादा शैक्षणिक एप बनाकर इन्हें निःशुल्क राष्ट्र को समर्पित करने वाले **इमरान से नरेंद्र सिंह** की बातचीत उन्हीं की जुबानी...

*शिक्षक दिवस पर मैं चाहता हूं कि हम बच्चों को नई दिशा दें। शिक्षक अपनी भूमिका में बदलाव लाएं। आज विश्व के सामने बहुत सी समस्याएं हैं, शिक्षक के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम बच्चों में श्रेष्ठ मानवीय गुणों को विकसित करें उन्हें दूसरों की सहायता करने वाला बनाएं न कि दूसरों को कष्ट पहुंचाने वाला।*

मै मानता हूं आज सूचना क्रांति का दौर है। ऐसे में शिक्षक की भूमिका भी व्यापक हुई है। अब शिक्षक की भूमिका गुरु के साथ मार्गदर्शक के रूप में ज्यादा है। तकनीक ने इंटरनेट के जरिए ज्ञान को बहुत सुलभ बना दिया है। निश्चित रुप से इसके अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव दोनों है। यहां महत्वपूर्ण हो जाती है शिक्षक की भूमिका। ऐसे हालात में शिक्षक को अपने आप को और अधिक व्यापक बनाना होगा उसे और अधिक ज्ञान से सुसज्जित होना होगा। शिक्षक का लक्ष्य स्वाध्याय से पहले ज्ञान अर्जित करना और फिर इसका उपयोग विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों की स्थापना में इस्तेमाल करना होना चाहिए। अभी समाज में व्याप्त असमानता बड़ी चुनौती है। इन्हें दूर करने के भरसक प्रयासों की जरूरत है। देखिये, मैं तो इस कोशिश में काफी समय से जुटा हुआ हूं, और तमाम चुनौतियां भी झेली है, लेकिन लक्ष्य बड़ा हो तो इन्हें तवज्जो नहीं दी। मैं बेहद साधारण परिवार से आता हूं, शिक्षक की भूमिका कितनी बड़ी है यह पहले यह उतनी गहराई से जान नहीं पाया था। पिताजी भी पढ़े-लिखे नहीं थे। घर का माहौल रोजी-रोटी जुटाने तक ही था। एसटीसी कर ली ताकि नौकरी लग जाए। सफल भी हुआ और राजकीय संस्कृत स्कूल में तृतीय श्रेणी शिक्षक पद पर नियुक्त हो गया। स्कूल में पढ़ाते समय मैंने पाया कि समाज में असमानताओं के कारण काफी बच्चे किताबी ज्ञान भी पूरी तरह नहीं ले पाते। मन में तूफान सा उठता कि ऐसा क्या हो, कि सबको सरल, समान और सहज ज्ञान पहुंचाया जा सके। पढ़ें केवल किताबी ...@ पेज 04

### केवल किताबी...

तब मेरी तलाश मोबाइल एप पर जाकर रुक जाती, क्योंकि जिस तरह मोबाइल फोन व्यापक रूप से समाज में मौजूदगी कायम कर रहा है, उससे लगता है कि भविष्य के गुरु ये भी होंगे। तो मैने परंपरागत और तकनीकी शिक्षकों का मिलाप करने की ठान ली। लेकिन बड़ी चुनौती थी कि सूचना तकनीक के क्षेत्र में मेरा ज्ञान शून्य था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि शुरूआत कैसे हो। जैसे-तैसे गूगल पर सर्च करते हुए तकनीकी को समझना शुरू किया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। तब यह सूझी अलवर में मेरे पास रहकर पढ़ाई कर रहे छोटे भाई की बीटेक किताबों को देखकर। भाई की मदद भी लेता रहा और तब लगा कि अब मेरा सपना साकार होने वाला है। लगन से सीखता गया और उसे मूर्त रूप देते हुए 51 एप बनाए जो बच्चों को उनकी भाषा में सरल तरीके से विषयों का ज्ञान दे सकते हैं।

मेरे मोबाइल एप प्रमाण है कि सूचना तकनीक सिर्फ मनोरंजन की वस्तु नहीं है, इसे शिक्षक चाहें तो ज्ञान की गंगा बना सकते हैं। सभी शिक्षक मिलकर कुछ नवाचार करने लगें तो आप कल्पना नहीं कर सकते कि विश्व का बौद्धिक विकास किस ऊंचाई पर ले जाया जा सकता है। यह लंबी यात्रा है। गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के लिए कंप्यूटर और सूचना तकनीक की अतिरिक्त कक्षाएं लगाता हूं। गरीब बच्चों को पढ़ाई कराता हूं।

मैं चाहता हूं कि हम सभी शिक्षक आज कुछ प्रण करें-

- हम समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने के लिए भरसक प्रयास करेंगे इस के लिए हम स्वाध्याय के माध्यम से सच्चाई की खोज के प्रयास करेंगे और सच व ज्ञान प्रसार के लिए समर्पित रहेंगे।
- हम मानवता की के लिए सतत प्रयास करेंगे। विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के लिए श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों को हम स्वयं अपने व्यक्तित्व में संजोयेंगे।
- सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए सतत प्रयास करेंगे और मानव मात्र की भलाई के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देंगे।
- वर्तमान युग में हो रहे तकनीकी बदलाव से अपने आप को वंचित नहीं रखेंगे बल्कि तकनीक का शिक्षा में और अच्छे कार्यों में कैसे प्रयोग हो इस संबंध में चिंतन करेंगे और उसका प्रयोग करेंगे।

### डिग्री पाने...

केंद्रीय विश्वविद्यालयों और आईआ... में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या में नियु... ही नहीं की गई है। कॉलेज से स्ना... की डिग्री लेकर निकलने वालों मे... 20-30 फीसदी ही रोजगार पाते... जावड़ेकर भी इससे वाकिफ हैं... कहते हैं कि असल चुनौती शिक्ष... गुणवत्ता की है, विस्तार तो हम पा... हैं।

**कुछ अच्छे कदम :** जावड़ेकर... शिक्षण संस्थाओं को अधिक स्वाय... देने के पक्षधर हैं। एनका ये ब... पूर्ववर्ती मानव संसाधन मंत्री से बिल... अलग है जो स्वायत्तता पर अंकुश... पैरोकार रहीं। जबकि पीएमओ तक... के विश्वस्तरीय संस्थानों को स्वायत्तत... का हिमायती है। जावड़ेकर ने हाल... आईआईटी काउंसिल की बैठकें ल... इसमें अगले तीन वर्ष के दौरान सीटें... कोटा 40 फीसदी बढ़ाने का निर्णय... गया है। साथ ही पीएचडी के लिए... को प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

राजस्थान पत्रिका

## Apps to study

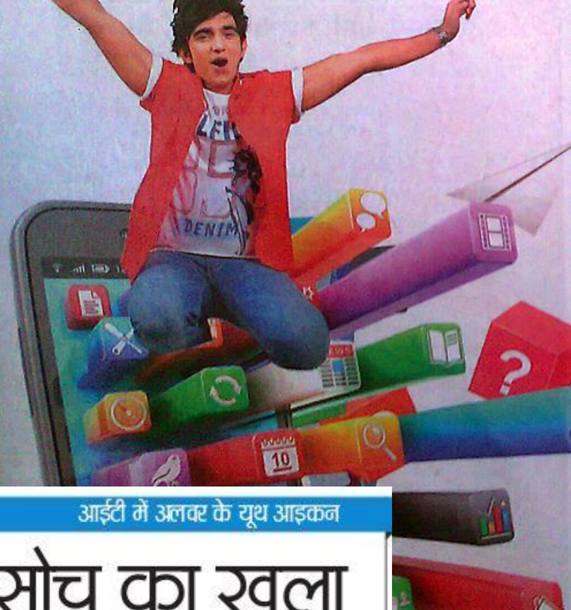

IN THE ERA OF SMARTPHONES APPS ARE THE SOUL OF ANY DEVICE. APPS ARE USUALLY DEVELOPED FOR THE PURPOSE OF ENTERTAINMENT, BUT THERE ARE LOTS OF STUDY APPS ALSO AVAILABLE TO AID EDUCATION

Imran Khan

1. GENERAL KNOWLEDGE (32000+FAQS)
2. ENGLISH GRAMMAR BOOK
3. ENGLISH TENSES
4. GOVERNMENT JOBS INDIA
5. NCERT TEXTBOOKS
6. INDIA GK QUESTIONS
7. INDIAN HISTORY, BOOK AND QUIZ
8. GK - KNOW INDIA BETTER (QUIZ)
9. CONSTITUTION OF INDIA

आईटी में अलवर के यूथ आइकन

## सोच का खुला आसमान है इमरान

मालाखेड़ा के समीपवर्ती ग्राम खेरोड़ा से कई किलोमीटर पैदल चलकर पृथ्वीपुरा स्थित राजकीय स्कूल में पढ़ने वाले इमरान खान ने विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारी और आगे बढ़ते गए। ... 2009 में छोटे भाई का पुराना कम्प्यूटर मिलने पर ... वर्तमान में इनके एप्स ... एक अरब से अधिक ...

प्रतिभा सम्मान

### शिक्षा विभाग के शिक्षक गौरव : इमरान खा...

मोहन गुप्ता 'मितवा'

... 1300 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों ... 52 ...

e-mail: imrankhanonnet@gmail.com

■ दीजिए सुझाव ■

## अब एप से लीजिए शिक्षा विभाग से जुड़ी जानकारियां

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

जयपुर. शिक्षा विभाग से जुड़ी जानकारियां लेने में 'वासुदेव देवनानी एप' लोगों के लिए मददगार बन रहा है। यह एप राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अलवर के मोहम्मद इमरान ने तैयार किया है, जिसका गत माह अजमेर में शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी ने शुभारम्भ किया था। इसका नाम वासुदेव देवनानी एप रखा गया है, जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड किया सकता है।

देवनानी ने बताया कि एप में कई अहम जानकारियां हैं, जो सम्पर्क का आसान माध्यम है। एप में शिक्षा से जुड़े समाचारों के लिए न्यूज फीड फोल्डर तैयार किया गया है।

इसमें शिक्षा विभाग की नीतियों, कार्यक्रम, स्कूल, शिक्षकों के नाम, पाठ्यक्रम का ब्यौरा दिया गया है। विद्यार्थी, परिजन और शिक्षक इसके जरिए संवाद कर उन्हें नवाचार संबंधी सुझाव भी दे सकेंगे। गौरतलब है कि इमरान का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी भी अपने भाषण में कर चुके हैं।

पत्रिका Sun, 2... epaper

यूट्यूब चैनल से ऑडियंस को एंगेज करें

epaper.bhaskar.com

Notice BOARD

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम

पद : प्रोजेक्ट असिस्टेंट, रिसर्च एसोसिएट्स
पद संख्या : 19
आवेदन प्रक्रिया : वॉक इन
अंतिम तिथि : 10-11 जून, 2019
www.iip.res.in

...क ऑफ इंडिया
...लिस्ट व स्पेशलिस्ट कैडर
... : 641
...क्रिया : ऑनलाइन
...थि : 12 जून, 2019
bank.sbi/careers

...थॉरिटी ऑफ
...मेंट ट्रेनी टैक्निकल
... : 142
...क्रिया : ऑनलाइन
...थि : 14 जून, 2019
careers.com

फर्टिलाइजर लि.
...नेयरिंग असिस्टेंट व अन्य
... : 42
...क्रिया : ऑनलाइन
...थि : 16 जून, 2019
...onalfertilizers.com

# yougle

यूगल...कामयाबी का सर्च इंजन

JAIPUR • SAT

आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम पर आधारित फोन एंड्रॉइड स्मार्टफोन्स की तुलना में अधिक काम में लिए जाते हैं। यही वजह है कि आईओएस की तुलना में एंड्रॉइड एप्लिकेशंस की उपलब्धता भी अधिक है। हालांकि युवावर्ग में आईफोन के प्रति क्रेज भी है और वे इससे संबंधित जानकारियां भी जुटाते रहते हैं। ऐसे में बहुतायत में उपलब्ध एंड्रॉइड एप्लिकेशंस के बीच यह सवाल उठता है कि क्या आईओएस एप्स तैयार करना एक कठिन काम है। वास्तव में ऐसा नहीं है, आईओएस एप्लिकेशंस तैयार करना एक नया अनुभव जरूर हो सकता है, लेकिन कठिन नहीं। राजस्थान के अलवर जिले के शिक्षक और एप डेवलपर इमरान खान इस बारे में जानकारी दे रहे हैं। अब तक 80 मोबाइल एप्स तैयार कर चुके इमरान तब चर्चा में आए थे जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने इंग्लैंड दौरे पर वहां विंबले स्टेडियम में उनका जिक्र किया। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, राष्ट्रीय गौरव अवार्ड जैसे विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित इमरान को भारत सरकार की ओर से नाइलिट की एप निर्माण समिति का सदस्य बनाया गया है। उन्होंने राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा विभाग के लिए दिशारी एप का निर्माण भी किया है।

## आईओएस एप मेकिंग मुश्किल काम नहीं, बल्कि एक नया अनुभव है

इमरान खान
एप डेवलपर

**■ एप स्टोर पर अपलोड करना**

इसके लिए एप्पल डेवलपर प्रोग्राम जॉइन करें। एप्पल डेवलपर, इंडिविजुअल या ऑर्गेनाइजेशन के रूप में चयन करें। एप अपलोड से पहले बंडल आईडी, वर्जन नंबर, मेटा डाटा, एप आइकन, एप स्टोर आइकन आदि अपलोड करें और एप रिव्यू हेतु सबमिट करें।

**■ एप प्लानिंग**

**■ एप कोडिंग**

**■ सिम्युलेटर व रियल डिवाइस**

**■ यूजर फ्रेंडली व सिंपल डिजाइन**

**■ ऐसे बनाएं यूजर इंटरफेस**

**■ एप साइनिंग के लिए ये करें**

## नए संसाधनों के बाद स्वरूप बदला, आने वाला समय बेहतर होगा

शिक्षा

शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और नए संसाधनों के बाद शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदला है। आज की एजुकेशन कक्षा में मौजूद ब्लैक बोर्ड से बढ़कर कंप्यूटर लैब, प्रोजेक्टर, डिजिटल बोर्ड, अटल टिंकरिंग लैब और ऑनलाइन शिक्षण तक जा पहुंच चुकी है। यदि अलवर के इतिहास को देखें तो पहले स्कूलों में ना के बराबर संसाधन थे। कई किमी दूर तक शिक्षा ग्रहण करने के पैदल जाना पड़ता था। बड़ा परिवार होने और संसाधन सीमित होने के कारण एजुकेशन हासिल करना चुनौती थी। गिनी-चुनी स्कूलों बड़े कस्बे में हुआ करती थीं। इसके बाद सरकारों को समझ आने लगा कि यदि तरक्की करनी है तो शिक्षा के पुराने मॉडल में बदलाव लाने होंगे। इसके बाद गांव-गांव में स्कूल खुले और समय-समय पर क्रमोन्नत हुए। बड़ा बदलाव बेटियों की शिक्षा में भी आया। स्कूलों के भौतिक स्वरूप में भी बदलाव आया। सरकार की कई योजनाएं बच्चों के सपनों को साकार कर रही हैं। आर्थिक रूप से बोझ नहीं हो, इसके लिए छात्रवृत्ति, अवार्ड सहित कई योजनाओं ने स्कूलों में नामांकन बढ़ाया है। मिड डे मील से लेकर प्रोत्साहन की कई योजनाओं ने बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया। वर्तमान में अलवर जिले में कुल 2834 स्कूल हैं। इनमें 989 प्राइमरी, 993 अपर प्राइमरी, 176 सेकंडरी और 600 स्कूल सीनियर सेकंडरी स्तर के हैं। इसके अलावा संस्कृत एजुकेशन में 73 स्कूल हैं। इनके अलावा एकलव्य मॉडल स्कूल व देवनारायण स्कूल का संचालन भी हो रहा है। विद्यालय की चारदीवारी में शिक्षा का वर्तमान मॉडल कोरोना लॉकडाउन के समय हमने बदलते देखा है। इस दौरान मोबाइल और एप्स के माध्यम से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए शिक्षा को जारी रखने का प्रयास किया गया। निकट भविष्य में अध्यापकों को और अधिक तकनीकी रूप से दक्ष होने व नवीन शिक्षण विधि को अपनाने की आवश्यकता रहेगी। जिससे विद्यालय के शिक्षक होने के बजाय वैश्विक विद्यालय के शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभा सकें। भविष्य के विश्वविद्यालय अपनी ऑनलाइन उपस्थिति बढ़ाएंगे और विद्यार्थियों को जब चाहे, जहां चाहे शिक्षण की सुविधा प्रदान कर सकेंगे। सूचना तकनीक की वजह से घर बैठे हार्वड या कैंब्रिज से कोर्स करना संभव हो सका है। साथ ही गूगल जैसी कंपनी ने डिग्री के बजाय स्किल के आधार पर जॉब देने की शुरुआत की है, जो इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में आप कहां से पढ़े हैं की बजाय आपको क्या आता है, इसका अधिक महत्त्व रखेगा। शिक्षक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग कर विद्यार्थियों को समझ नहीं आ रहे जटिल टॉपिक्स को न केवल आसानी से समझा पाएंगे।

**- इमरान खान**, एप गुरु एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत

## सब कुछ पैसे के लिए नहीं किया जाता

जीना इसी का नाम है

इमरान खान

**गांव में पला-बढ़ा हूं। गरीब परिवार की दिक्कतों को अच्छी तरह से जानता-समझता हूं, इसीलिए मैं ऐसे ऐप बनाता रहा, जिनसे गांवों-कस्बों के हिंदीभाषी बच्चों को फायदा हो। इसके पीछे मेरा मकसद पैसा या शोहरत कमाना कतई नहीं है।**

# SPEECHES & TALKS

**Talk at LBSNAA**, Mussoorie
(5 Times for various Phases Training to IAS Officers)

**TEDx Speaker** on 17 March 2018

**ICT Training to Teachers** with NCERT

**App Development** Training with **Google**

**Talk at BHU**, Varanasi (Digital India and Tourism)

Speech in **IIT Delhi, IIM Ahmadabad** & **IBA Bangalore**

Separate stall in All India **ICT Fair** Delhi for Educational Apps

Presented Educational Apps at **International Science Fair, IIT Delhi**

# SPEECHES & TALKS

Speech in Pantnagar University

Challenging Tomorrow in **Birla Auditorium** Jaipur as Keynote Speaker

Video Conference with Hon’ble Minister Mr. Ravi Shankar Prasad

**Talk in Chandigarh** : Empowering Education Transforming India

**Speech in TCS Gandhinagar** (Gujarat)

Speech at JECRC University, SKIT University, Jaipuria Institute of Management, Maheshwari Public School, Tagore Public School etc.

Youth Inspiration Session at Jalore 2000+ students

# REVIEWS

Neeraj Saini
Dishari app is amazing. It's helpful for every college Student and it's most helpful for students whose preparation for govt job . I'm suggesting my friend dishari app. Dishari app includes all subjects for govt job preparation
Thank you sir

Vishnu Dutt Dubey
पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अब तक का बहुत ही बढ़िया एप्प है।
👌 👌 👌 👌

Manu Panchal
Rather this app is launched by Rajasthan state and I don't belong to that state but still it works for me like a wonderful thing .This app provides variety of question that's why I like it.

T. Vashishtha
Awesome आपकी श्रृंखला के सभी एप्प एक विशेष ज्ञान से परिपूर्ण होते है।सभी की अपनी शैली होती है नोट्स बनाने की वाकई काबिल-ऐ-तारीफ है।।इमरान जी को हृदय से बधाई उनके इस श्रेष्ठ कार्य के लिए।।।

Charat Lal Yadav
Unique!! Appreciable!! Marvellous!!

Rahul Patidar
इस एप्स की जितनी जितनी तारीफ करूँ उतनी कम है मेरी बहुत सारी मुश्किलें आसान हो गयी धन्यवाद इमरान सर 💐 💐 💐

Abhishek Pareek
An amazing app for the youth. It is a good platform to come forward and show the right path to the pool of talent that we never are short of.

Ankita Sarkar
I really love this game as it is a learning app for kids. As all the subjects like- Science, Mathematics, Grammar, English etc. all are important for study. GK is also important like other subjects. It is a education app of KIDS GK.😊 😊 😊

SUNDER LAL DEWANGAN
I like this app much better, because by this app we get a chance to educate ourself in Sanskrit and know Indian culture, which is necessary for every Indians.

Nisha Singh Solanki
My life's very very very nice application. I'm thankful to its owner who created for us. It's very helpful for all Rajasthan exams.

Sunil Kumar Meena
This is a great initiative .This is one of best app i have ever used & the best part of this i personally likes is that various types of test series section .

Shripal
Teacher and students get quality education in this app.

Pranav Soni
It's a great app to impart quality education to the students of Sanskrit education. Most useful app to the learners. Thanks to the department and educators.

Rahul Saharan
It is very useful and user-friendly app And also thanks for creating something real in fake world of apps

Lalit Singh
finest learning app. with innovative questions that will help in Rpsc exam.Thank you very much to developer of this app. It will be more useful for learner.

# Join Hands to Shape Future of Millions


@imrankhanonnet

@imrankhanonnet

imranapps.com

+91 9785984283

imrankhanonnet@gmail.com


GET IT ON Google Play